



KEDIA™
Pavitra

NAVRATRI

— Special Products —



FIXED
PRICE

रिटेलर हो या कस्टमर:
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती चावल
- एलीट बासमती चावल

- पोहा
- लाकाडॉंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सोंफ
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च

- दालचीनी
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- अमचूर पाउडर
- सेंधा नमक
- मिश्री धागा
- मिश्री पाउडर
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)

- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना

- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता

- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम
- गुड़
- गुड़ पाउडर

COMING
SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- फ्लेबर्ड मखाना

- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली

- अजवाइन
- राई
- हींग

- ब्लेंडेड मसाले
- सोया चंक्स
- रोस्टेड चना

- चाय और भी बहुत कुछ

ORDER ON
WEBSITE



ORDER ON
WHATSAPP



ORDER ON
APP



AVAILABLE AT



32000+ RETAILERS



SUPERMARKETS



QUICKCOM/ECOM



WEBSITE



WHATSAPP



APP



TOLL FREE

विचार बिन्दु

स्वयं प्रकाशित दीप को भी प्रकाश के लिए तेल और बत्ती का जतन करना पड़ता है बुद्धिमान भी अपने विकास के लिए निरंतर यत्न करते हैं। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है। -शुक्रनीति

आयुर्वेदाचार्यों के ज्ञान को प्राथमिकता दीजिये

इंटरनेट ने आयुर्वेद पर समाचारों, सूचनाओं और नुस्खों का ऐसा विशाल बाजार खड़ा कर दिया है कि आप उससे बच नहीं सकते। वस्तुतः इंटरनेट, ब्लॉगिंग और सोशल मीडिया द्वारा उत्पादित भीड़-जान ने पत्रकारिता का ऐसा लोकतंत्रिककरण किया है कि भीड़ोत्पादित इस ज्ञान में प्रमाण-आधार की खोज बहुत कठिन होती जा रही है। विशेषकर, औषधियों के चमत्कारी प्रभाव का दुष्प्रचार आयुर्वेद की प्रमाण-आधारित विश्वसनीयता का सबसे बड़ा दुश्मन है। आज की चर्चा का मूल उद्देश्य यह बताना है कि जब सोशल-मीडिया द्वारा उत्पादित भीड़-जान आयुर्वेद के यथार्थ-ज्ञान को लील रहा हो तो आयुर्वेदाचार्यों का सहारा लेना ही उचित और कल्याणकारी होता है।

इंटरनेट ने विशाल जनसंख्या के मध्य उपलब्ध दुष्टिकोणों की विविधता को लोगों तक पहुँचाने का अभूतपूर्व कार्य किया है। यह कार्य अकेले कोई भी मीडिया मानव इतिहास में कभी नहीं कर पाया था। लेकिन, इंटरनेट दुधारी तलवार है। स्वार्थवादियों द्वारा जानबूझकर स्वहितसाधक सनसनीखेज झूठ और सूचनाओं के प्रचार का एक सर्वोत्तम वैश्विक मंच भी आज इंटरनेट के रूप में मिल गया है। स्वास्थ्य लाभ के लिये वैज्ञानिक जानकारी युक्तियुक्तप्राथमिकताओं को प्राथमिकता देना ही उचित है। लेकिन सर्वश्रेष्ठ क्या है, इसकी आम लोगों द्वारा गलत व्याख्या कर लेने का खतरा तब और भी अधिक बढ़ जाता है जब सॉच-झूठ बराबर लोकप्रिय हो रहे होते हैं। यह समस्या आज इसलिये भी बढ़ गयी है क्योंकि भगदड़ वाली जीवनशैली के कारण प्रकाशित सामग्री को सटीकता और सुस्पष्टता सुनिश्चित करने के लिये समय का अभाव है।

आयुर्वेद चमत्कार नहीं अपितु आहार, विहार, रसायन, और औषधियों का का सम्पूर्ण जीवनोपयोगी विज्ञान है। आजकल सोशल मीडिया और विज्ञापनों में आयुर्वेद के ऐसे नुस्खों की भीड़ है जो रामबाण, चमत्कारी, शक्ति, अचूक, पुन इलाज आदि नाम से बिक रहे हैं। साथ में प्रलोभन यह भी रहता है कि लाभ न मिले तो पैसा वापस लीजिये। इन लोक-लुभान परन्तु प्राणिक और अवैज्ञानिक दावों ने एक ओर आम आदमी को असमंजस में डाल रखा है, वहीं दूसरी ओर इन्हें बनाने और बेचने वाले चाँदी काट रहे हैं। आयुर्वेदिक औषधियों के संदर्भ में इस प्रकार के दावों से आयुर्वेद का जितना नुकसान हुआ है, उतना शायद ही कभी भी हुआ हो।

वैसे तो शिक्षा के प्रसार के साथ ऐसे दावों के प्रति आमजन में संदेह और सजगता बढ़ी है, लेकिन इस व्यक्तिगत संदेह ने समूची आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को ही संदेहास्पद बनाना शुरू कर दिया है। समस्या का केवल एक ही निदान है कि आप ऐसी जानकारी पर भरोसा कर लेने के बजाय उत्तम आयुर्वेदाचार्यों की सलाह लीजिये। ख्याल रखिये, जिन लोगों द्वारा चमत्कार के दावे किये जाते हैं, उनका प्रायः आयुर्वेद से घन कमाने के अतिरिक्त और कोई लेना-देना नहीं रहता है।

गलाकाट प्रतिस्पर्धा में भिड़ी हुई फार्मसियों बाकी कसर निकाल देती हैं जो उनकी औषधियों के चमत्कारी होने का दावा करती हैं। उदाहरण के लिये, चार राज्यों में आयुर्वेद की औषधियाँ बेचने वाली कुछ दुकानों में सबसे महंगी आयुर्वेदिक औषधि की उपलब्धता पूछे जाने पर उत्तर में जिन औषधियों के नाम आये, उनमें सबसे विस्मयकारी तो एक ऐसा रसायन मिला जिसके आधा किलोग्राम वजन वाले डिब्बे की कीमत 9900 रुपये से अधिक थी। इसके अलावा सैंकस और ब्यूटी के बाजार में आयुर्वेद के नाम पर कई गोपनीय औषधियाँ भी छापी हुई हैं, जो 5000 से 7000 रुपये प्रति पैक घडल्ले से बिकती हैं। जाने-अनजाने कई वास्तविक आयुर्वेदाचार्य भी गलती कर बैठते हैं, जब रोगी को परामर्श व औषधि-निर्धारण करते हुये प्रायः यह कह देते हैं कि इस औषधि का इस रोग में चमत्कारी प्रभाव है।

एक बार पुनः यह बताना आवश्यक है कि चमत्कार और विज्ञान का आपस में पुरतैनी बैर है। चमत्कार के लिये कारण और प्रभाव को स्थापित करने की कोई सार्वभौमिक, सैद्धांतिक या प्रायोगिक बाधयता नहीं है। इग एंड मैजिक रेमेडीज (ऑब्जेक्शनल एडवर्टाइजमेंट) एक्ट, 1954 ऐसी औषधियों के विज्ञापनों का निषेध करता है, जो चमत्कारी प्रभाव का दावा करती हैं। यह एक संज्ञेय या हस्तक्षेप्य अपराध है। तात्पर्य यह हुआ कि ऐसे प्रकरण में पुलिस बिना किसी न्यायालय की अनुमति के दखल कर सकती है। ऐसी 54 बीमारियों से संबंधित चिकित्सा, निदान या रोकथाम हेतु चमत्कारी दावे से संबंधित विज्ञापनों पर अभी प्रतिबंध है। इस वैधानिक स्थिति के बावजूद कैम्बर, बहराण, मधुमेह, बन्ध्यापन, नाडीतंत्र, पौरुष-ग्रंथि, मिर्ग, पथरी, गैंगरीन, लकवा, कुष्ठ, मोटापा, अस्थि-रोग, नामदंरी, यक्ष्मा आदि जैसी अनेक बीमारियों के बारे में टेलीविजन, अखबार एवं सोशल मीडिया में चमत्कारी दावे आज भी किये जाते हैं। इनसे सावधान रहना आवश्यक है। रामबाण शब्द का हिंदी में प्रयोग देखने पर गूगल सर्च में 7.82 लाख सन्दर्भ मिलते हैं। अंग्रेजी में मैजिक और आयुर्वेद खोजने पर लगभग 9.0 लाख सन्दर्भ आते हैं। इसी प्रकार रामबाण इलाज के 2.92 लाख सन्दर्भ, रामबाण दवा के 1.29 लाख सन्दर्भ, और रामबाण आयुर्वेदिक दवा के 1.36 लाख सन्दर्भ मिलते हैं। यदि चमत्कार एवं आयुर्वेद खोजें तो 1.34 लाख सन्दर्भ मिलते हैं। इसके विपरीत, प्रमाण-आधारित आयुर्वेदिक चिकित्सा, या आयुर्वेद के मैजिक की साईंस खोजने पर 200 के अन्दर सभों सन्दर्भ सिमट जाते हैं। आयुर्वेद में चमत्कार किये जाने के दावे उन रोगों के लिये तो हैं ही जिन्हें असाध्य माना जाता है, परंतु बूढ़े को जवान बनाने, गौरा रंग व सुदर्शन काया प्राप्त करने, और नामर्द में मर्दानगी बढ़ाने के चमत्कारिक नुस्खे भी कोई कम नहीं हैं।

वास्तविकता को तीन स्तरों पर देखा जाना आवश्यक है। पहली बात यह है कि आयुर्वेद की मूल संहिताओं में चमत्कारिक चिकित्सा जैसा कोई पाठ पढ़ने में नहीं आता। दूसरा, आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों में भी इस प्रकार के हाथों-हाथ चमत्कार का कोई प्रमाण नहीं मिलता। और, अंततः आयुर्वेदाचार्यों के अनुभवजन्य-ज्ञान में भी चमत्कार के कोई लिखित व शोधपरक प्रमाण नहीं मिलते, भले ही उनमें से कुछ ने इस शब्द को त्रुटिवश बार-बार उपयोग करने की आदत डाल ली हो। आयुर्वेद में सबसे पुराने ग्रन्थ चरकसंहिता एवं सुश्रुतसंहिता की भाषायी व्यवस्था प्रायः आधुनिक काल के वैज्ञानिक शोध-पत्रों की तरह संयमित एवं मर्यादित है। यही बात आचार्य वाग्भट के अष्टांग हृदय पर भी लागू होती है। यहाँ तक कि 13वीं शताब्दी में लिखी गई शारंगधरसंहिता या बाद के काल में आचार्य चक्रपाणिदत्त द्वारा लिखे गये चिकित्सा ग्रन्थ चक्रदत्त में कहीं-कहीं भाषायी अलंकार अवश्य परिलक्षित होता है, तथापि चमत्कार जैसे शब्दों से उन्हेनी भी उचित और सम्मानजनक क़ासला बनाये रखा। संहिताओं के ऐसे श्लोक, जो चमत्कार के नजदीक जाते हुये परिलक्षित होते हैं, वे भी हमारे द्वारा भाषा की समझ के फेर के कारण ही होना, अन्यथा संहिताओं के प्रत्येक योग का विस्तृत वर्णन एवं संबंधित औषधि की फलश्रुति में चमत्कार शब्द का प्रयोग नहीं हुआ। इनमें रोग-निदान एवं चिकित्सा, आहार-विहार, रसायन एवं औषधि के साथ पथ्य-अपथ्य का विस्तृत वर्णन मिलता है। चरकसंहिता के संपूर्ण चिकित्सा स्थान और उस पर दिग्गज आचार्यों जैसे चक्रपाणि, गंगाधर आदि द्वारा की गई टीकाओं में भी चमत्कार शब्द के दर्शन नहीं होते हैं। इनमें चिकित्सकीय योगों और औषधियों, उनसे जुड़ी संपूर्ण जानकारी तथा प्रभाविता के लिये तुलनात्मक जानकारी का ऐसा वर्णन है जिन्हें आज भी विज्ञान-सम्मत माना जाता है। संहिताओं में तो इस हद तक सावधानी बरती गई है कि जिन प्रकरणों में अतिशयोक्ति अलंकार है, उनमें आचार्यों ने प्रायः ऐसा इंगित भी कर दिया है या सुनी-सुनाई होने का संकेत कर दिया है। यहाँ तक कि पैथज्य रत्नावली नामक ग्रन्थ में जहाँ एक योग का नाम रामबाण रस है, उपमा के बावजूद उसका वर्णन भी तार्किक और मर्यादित है।

इन परिस्थितियों में ध्यान रखने योग्य सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आयुर्वेद आयु का विज्ञान है, चमत्कार नहीं। आयुर्वेदिक औषधियाँ भी अचूक, रामबाण या चमत्कारिक नहीं बल्कि वैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुरूप ही प्रभावी या उपयोगी होती हैं। वस्तुतः आयुर्वेद एक प्रमाण-आधारित, विस्तृत, प्रभावी, समग्र और संपूर्ण चिकित्सा पद्धति है जिसके द्वारा स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी का रोगोपचार होता है। आयुर्वेद आयु का विज्ञान है, आय का नहीं। पर समय तेजी से बदल रहा है, और यह आयुर्वेद के लिये अच्छा ही है, बशर्तें बात प्रमाण-आधारित आयुर्वेद की हो रही हो। बात यदि भयंकर से भयंकर एसिडिटी चुटकी बजाते ही ग्राह्य कर दिये जाने की हो तो इसे झॉसेबाजी ही समझिये। प्राचीन भारतीय साहित्य का सहारा लें तो यह कहना समीचीन होगा कि रामबाण केवल रामजी के पास ही है, और उसका प्रयोग भी केवल उन्हीं के बस की बात है। औषधियों के चमत्कारी प्रभाव का दुष्प्रचार दावा प्रमाण-आधारित आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की वैज्ञानिकता और विश्वसनीयता का सबसे बड़ा दुश्मन है। लोगों को स्वविवेक का प्रयोग करते रहना चाहिये और किसी बहकावे में नहीं आना चाहिये। आयुर्वेद को चमत्कार नहीं, अपितु विशिष्ट विधियों एवं सिद्धांतों से युक्त एक उत्कृष्ट चिकित्सा विज्ञान समझने में ही व्यक्ति, समाज और अर्थव्यवस्था की भलाई है।

समस्या असली आयुर्वेदाचार्यों को छाँटने की भी कम नहीं है। किसी भी शहर में वास्तविक और असली बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी की उपाधि वाले आयुर्वेदाचार्यों के अलावा विविध उपाधियों के बोर्ड लगे वैद्यजी, वैद्यजी, वेदकाचार्य, वेदजी, वैद्यजी आदि भी खूब फल-फूल रहे हैं। ये सब छद्मायुर्वेदाचार्य हैं। ऐसी स्थिति में ध्यान रखिये, विधिवत आयुर्वेद की शिक्षा प्राप्त बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी, मास्टर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन, आयुर्वेद में डॉक्टर ऑफ फिलोसफी जैसी उपाधियाँ ही मान्य हैं। वास्तविक और मान्य उपाधियों से रहित कोई भी व्यक्ति चिकित्सा करता है तो वह चिकित्सकीय दुष्कर्म है।

-अतिथि सम्पादक,

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,

(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त;वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर,

(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)



रामनिवास बैरवा

अनेक प्रकार के उतार-चढ़ाव के दावों के साथ अमेरिका का युद्ध जारी है। अमेरिका ने रूसी तेल की खरीद पर भारत पर पाबंदी लगाई थी, और ईरान ने होर्मुज्ज जलडमरूमध्य से पुरे अरब देशों से तेल-गैस के टैंकरों को गुजारना बंद कर दिया। लेकिन अमेरिका ने रूस से 30 दिनों तक तेल खरीदी की भारत को छूट देकर होली के त्यौहार पर जहाँ वसन्त के नववर्ष का उपहार दिया है, वहीं ईरान ने भी भारत के दो गैस टैंकरों को होर्मुज्ज जलडमरूमध्य से गुजर जाने की छूट देकर होली और रमजान महिने का उपहार दिया है। इन दो एल.पी.जी. कंटेनर जहाजों के अलावा अभी भी (18 मार्च, 2026 को) भारतीय झंडे के 22 जहाज और

611 नायिक होर्मुज्जस्ट्रेट में फंसे पड़े हैं। इनमें 06 एल.पी.जी. के, एक एल.एन.जी. का और 04 कच्चे तेल के कंटेनर-जहाज शामिल हैं। इसे कूटनीतिक असफलता कहें या दो कंटेनरों को रास्ता देने-दिलाने का श्रेय लेने वालों का बड़बोलापना क्योंकि बाकी के जहाजों को छोड़ने के लिए ईरान ने भारत के सामने शर्त रखी है कि अमेरिका के द्वारा लगाई गई पाबंदियों के अनुसार भारत के मुंबई में रोककर रखे गये तीन ईरानी जहाजों को छोड़ा जाये।

अमेरिका ने वसन्त का उपहार देने के साथ ही कह दिया है कि वह... चीन की गलती भारत में नहीं दोहरायेंगी। यानि कि जो योजनाएं चीन से शिफ्ट होने वाले उद्योगों के लिए पलक-पावट बिछाने के लिए बनाई जा रही थी, वे व्यवहार में आने से पहले ही खतम कर दी गई हैं।

यह कोई आज की बात नहीं है। 1947 में, जब से भारत के नेताओं ने भारत के शासन की बागडोर सम्भाली है, तब से ही अमेरिका, ब्रिटेन आदि देश भारत को नेताओं को विश्वसनीय नहीं मानते हुए यहाँ पूंजी निवेश या औद्योगिक निवेश नहीं कर रहे थे। और आज भी यहाँ निवेश नहीं कर रहे हैं। एफ.डी.आई और एफ.आई.आई. भारतीय शेयर बाजार के मध्यम से किया जा रहा है जो कि शेयरबाजार में तेजी लाने के साथ-साथ

महंगाई, मुद्रास्फीति को साथ लाते हैं। फिर शेयरबाजार में बिकवाली करके बनावटी गिरावट लाई जाते हैं और विदेशी पूंजी निकालकर उसे डॉलरों में विदेशों में भेज दी जाते हैं। इस प्रकार अमेरिका या विदेश में ब्याज से कम आमदनी के मुकाबले एफ.डी.आई. और एफ.आई.आई. से कहीं ज्यादा कमाई की जाते हैं। भारत कोई नाम में महंगाई और मुद्रास्फीति मिलती है।

2014 में छपी मेरी पुस्तक "अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी और भारतीय अर्थव्यवस्था" में मैंने एक पूरा अध्याय "चीन की चर्चा" का लिखा था। उसी के क्रम में 2019 में मेरी उसी कड़ी की दूसरी पुस्तक "अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी का साम्राज्य" छपी थी जिसमें मैंने "राजनीतिक पुनर्गठन, प्रतिद्वंद्विता-विश्वव्यापी वित्तीय पूंजी के सिडिकेट, पेट्रोलॉलर और अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी और भारत के अलावा साम्राज्य के लिए एक और युद्ध की तैयारी" जैसे अध्याय शामिल किये थे। उसमें यह व्यक्त किया था कि अमेरिका और यूरोपीय देश भारत के राजनीतिक और सामाजिक माहौल को देखते हुए यहाँ पूंजी निवेश नहीं करेंगे, यहाँ तक कि मध्यपूर्व के इस्लामिक देश भी भारत में पूंजी निवेश के लिए आगे नहीं आयेगी, बल्कि चीन के साथ सहयोग करने से ही भारत की औद्योगिक प्रगति होगी।

अमेरिका द्वारा चीन से उतारे गये कफन से भारत के वस्त्र नहीं बनेंगे, यह बात समझ लेनी चाहिए। अमेरिका के साथ चाहे कितनी भी अच्छी ट्रेड डील कर ली जाये, यूरोपियन यूनियन से चाहे कैसी भी फ्री-ट्रेड डील कर ली जाये, उनसे भारत में औद्योगिक विकास नहीं होगा, सिर्फ व्यापार ही बढ़ेगा। कभी सोवियत संघ ने भारत में भारी उद्योग लगाने से वित्तीय, तकनीकी और कल्पुर्जे देकर सहायता की थी, उसी प्रकार आज चीन तकनीक, कल्पुर्जे और वित्तीय से भारत के विकास की नींव डालेगा, अमेरिका या यूरोप नहीं।

प्रसंगवश, यह बताना भी सही होगा कि ब्रिटेन और अमेरिका आपस में चिर सहयोगी होने के बावजूद दोनों एक-दूसरे पर विश्वास नहीं करते। कारण उनके भूतकाल में है। अमेरिका के ब्रिटेनवासी ब्रिटिश साम्राज्य से विद्रोह करके ही अमेरिका बने है। ब्रिटेन इस टाँस को कभी नहीं मूल सकता, जैसे भारत पाकिस्तान और बांग्लादेश के अस्तित्व से अभी तक भी खफा है। दूसरा यह कि दूसरे विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटेन, फ्रांस एवं अन्य यूरोपीय देशों में हुए नुकसान की भरपाई के लिए अमेरिका ने जो सहायता देनी थी, वह ब्रिटेन के माध्यम से ही दी थी, लेकिन ब्रिटेन ने अन्य देशों को उनकी पूरी सहायता राशि नहीं दी थी। इससे भी

अमेरिका एवं अन्य यूरोपीय देशों में ब्रिटेन की विश्वसनीयता वैसी नहीं है जैसी की होनी चाहिए। यही कारण है कि ब्रिटेन यूरोपियन यूनियन से अलग हो गया और अपनी मुद्रा पौंड-स्टर्लिंग के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी की दौड़ में बना बैठा है। उधर रूस और चीन के आपसी तालमेल को सहयोग कहना गलत है।

उन दोनों देशों में खुरचव के जमाने से लेकर ब्रेज़नवैव तक काफी तन-तनी रही है, और आज चीन रूस से आगे है तो आपसी तालमेल है अन्यथा रूस की नियत यूक्रेन में देखी जा सकती है। लेकिन ब्रिटेन को पता होना चाहिए कि बीती बहरों फिर से नहीं आयेगी, खलीफाओं का साम्राज्य ना तो तुर्किये में बन पायेगा, ना ही तेहरान में। इनमें जो भी मिलता है, इनसे जो भी रियायतें मिलती हैं, यह भारत की खामोशी का मूल्य ही माना जायेगा। दुर्भाग्य से, भारत को दिवाली की गिफ्ट देने वाला दुनिया में कोई भी देश नहीं है। दिवाली की गिफ्ट तो केवल भारत की जनता ही दे सकती है, भारत की मानवपूँजी ही दे सकती है, वह भी तब, जबकि मानवपूँजी के समकक्ष का आपसी सहयोगी हो।

-रामनिवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

इंतजार के 200 साल : जैसलमेर की वो शाही गणगौर जो आज भी अपने ईसर के बिना अधूरी है



अचलदास डांगरा

राजस्थान अपनी गौरवशाली परंपराओं और उत्सवों के लिए विश्वभर में विख्यात है, लेकिन

स्वर्णनगरी जैसलमेर की शाही गणगौर का इतिहास जितना भव्य है, उतना ही भावुक भी। जहाँ पूरे प्रदेश में ईसर-गणगौर (शिव-पार्वती) की जोड़ी की पूजा होती है, वहीं जैसलमेर में माता गणगौर की स्वामी पिछले दो शताब्दियों से अकेली ही निकल रही है।

इतिहासकारों के अनुसार, आज से लगभग 200 वर्ष पूर्व रियासत काल में जैसलमेर और बीकानेर के बीच सीमा विवाद चल रहा था। एक बार गणगौर की तीज पर जब शाही लवाजमा गडीसर सरोवर पर माता को पानी पिचाने पहुँचा, तो बीकानेर के सैनिकों ने अचानक आक्रमण कर दिया। जैसलमेर के योद्धाओं ने वीरता

दिखाई और गणगौर माता की प्रतिमा को तो बचा लिया, लेकिन वे भगवान ईसर की प्रतिमा को नहीं बचा सके। बीकानेर की सेना ईसर जी को अपने साथ ले गई। इस ऐतिहासिक घटना के बाद, जैसलमेर के राजपरिवार और प्रजा ने निर्णय लिया कि वे अपनी मर्यादा और स्वाभिमान को झुकने नहीं देंगे। तब से यहाँ गणगौर की स्वामी अकेले ही निकाली जाने लगी। आज भी यहाँ बिना ईसर के ही शाही गणगौर की पूजा होती है, जिसे स्थानीय लोग माता का अपने ईसर के प्रति अखंड इंतजार मानते हैं। वर्तमान में सोनार दुर्ग के त्रिपोलिया कक्ष में माता को बहुमूल्य वस्त्रों, हीरों और स्वर्ण आभूषणों से सजाया जाता है।

पूर्व महारावल और राजपरिवार के सदस्य सोनार दुर्ग के त्रिपोलिया कक्ष में माता की विशेष पूजा करते हैं। स्थानीय पुरुष महिलाएँ, युवक युवतियाँ भी गणगौर माता के दर्शन करते हैं। एक दशक पूर्व शाही लवाजमे के साथ डंटों, घोड़ों और ढोल-नगाड़ों के बीच माता की स्वामी दुर्ग से गडीसर सरोवर तक निकलती थी। लोक संस्कृति का संगम: उस दौरान माँग में हजारों की संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक माता के दर्शन करते थे। महिलारै मंगल गीत गाती थी और लोक कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करते थे।

-अचलदास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार, जैसलमेर



गणगौर का पर्व श्रद्धा के साथ मनाया, महिलाओं ने पूजा-अर्चना की

मसूदा, (निर्स)। उपखंड क्षेत्र में शनिवार को गणगौर का पर्व पारंपरिक श्रद्धा, हर्षोल्लास और अटूट आस्था के साथ मनाया गया। अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर सुधागिन महिलाओं और कन्याओं ने ईसर-गणगौर का विधि-विधान से पूजा किया।

पारंपरिक परिवेश में सजी महिलाएं के मन में इस पर्व को लेकर सुबह से ही उत्सव का माहौल नजर आया। महिलाएं और युवतियां

■ महिलाओं ने अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि की कामना की

पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा और आभूषणों में सज-धज कर आँखों पर कैसी चश्मा, हाथों में मेहंदी और मंगल गीतों के साथ महिलाये स्थानीय सुभाष उद्यान पहुँचीं और वहाँ विभिन्न प्रकार के फूल पत्तियों से अपने कलश सजाएँ



मसूदा उपखंड क्षेत्र में गणगौर का पर्व पारंपरिक श्रद्धा, हर्षोल्लास और अटूट आस्था के साथ मनाया।

और गाजे बाजे के साथ गणगौर के पारंपरिक गीत गाते हुए कलश लेकर घर पहुँचीं। महिलाओं ने सप्ताह में एकत्र होकर गणगौर माता की पूजा कर, जल पिलाने, चूरमे का भोग लगाने और

कथा सुनकर रस्म पूरी की। इस अवसर पर कई घरों में ईशर गणगौर की विशेष सजावट कर स्थापित किया। पूजन के दौरान महिलाओं ने खेले गणगौर माता... जैसे पारंपरिक

गीतों के माध्यम से अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कई स्थानों पर समाज ने सामूहिक आयोजन किए गए, जहाँ बड़ी संख्या में महिलाओं ने एक साथ पूजा-अर्चना की।

राशिफल रविवार 22 मार्च, 2026



चंद्रित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी तिथि, रविवार, विक्रम संवत् 2083, भरणी नक्षत्र रात्रि 10:43 तक, वैधृति योग दिन 3:41 तक, वणिज करण दिन 10:37 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा। गृह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह आज रवियोग रात्रि 10:43 तक है। ज्वालामुखी योग रात्रि 9:17 से रात्रि 10:43 तक है। श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:03 से 9:33 तक, लाभ अमृत 9:33 से 12:34 तक, शुभ 2:04 से 3:34 तक। राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:33, सूर्यास्त 6:35

मेष मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेगे। आज परिवार में मनोरंजन पर धन खर्च हो सकता है।

वृष घर-गृहस्थी के खर्चों में अनवश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

मिथुन आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संपातित स्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कर्क अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह आज परिवार में शुभ-धार्मिक-मौलिक संदेश प्राप्त होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग बना रहेगा।

कन्या चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यथान हो सकता है। सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बजते कार्य विगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

तुला परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मौलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आज अटक हुए कार्य बनने लगेगे।

धनु आज परिवार में अतिथियों का आमनन बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन का माहौल रहेगा। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रहेगा।

मकर घर/परिवार में सुख-सुविधाएँ बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज मित्रों से धन पात्रों में पानी और दाना भरें, जिससे पक्षियों को राहत मिल सके।

मीन आर्थिक कार्यों से अटक हुए कार्य बनने लगेगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव, "प्रॉक्सी वॉर" बना राजस्थान के वरिष्ठ नेताओं के लिए

डोटासरा ने अभिषेक चौधरी को अपने उम्मीदवार के रूप में अपनाया है। डोटासरा के इस उम्मीदवार को पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चांदना का भी पूर्ण समर्थन प्राप्त है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। राजस्थान कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अपने समर्थक अभिषेक चौधरी के जरिए यूथ कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव में कदम रख दिया है। यदि अभिषेक जीते हैं, तो डोटासरा यह दिखा पाएंगे कि वे अशोक गहलोत और सचिन पायलट दोनों से आगे हैं और राजस्थान युवा कांग्रेस पर उनका नियंत्रण है।

डोटासरा ने कई जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की है और उम्मीद है कि उनके प्रभाव का इस्तेमाल कर अभिषेक के लिए वोट और समर्थन जुटाया जाएगा। पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चांदना ने भी डोटासरा का समर्थन किया है।

दिलचस्प बात यह है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस पूरे

- अशोक गहलोत की यूथ कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में अभी तक नगण्य सी भूमिका है।
- सचिन पायलट ने अभी अपने पते नहीं खोले हैं। पर, बाकी गंभीर उम्मीदवार, अनिल चोपड़ा, मुकुल खींचड़ अपने आप को सचिन पायलट का उम्मीदवार होना बता रहे हैं। सीकर के राजकुमार परसवाल भी उम्मीदवार हैं, ऐसा कहा जा रहा है कि सीकर के वरिष्ठ नेता सीताराम लाम्बा के मार्फत गहलोत, परसवाल को अपना उम्मीदवार जता रहे हैं।
- ऐसा माना जा रहा है कि डोटासरा अपने उम्मीदवार अभिषेक को जितवाकर आगामी विधानसभा चुनाव की जमीन तैयार कर रहे हैं, क्योंकि यह आम धारणा है कि जो व्यक्ति यूथ कांग्रेस अध्यक्ष पर अपना नियंत्रण दिखा सकेगा, वह कांग्रेस की प्रदेश की भावी राजनीति पर अपना शिकंजा कस सकेगा। डोटासरा अभिषेक चौधरी को जितवाकर यह साबित करना चाहते हैं कि वे गहलोत व पायलट के समकक्ष नेता हो गए हैं, क्योंकि युवा शक्ति उनके साथ है।

घटनाक्रम में कहीं नजर नहीं आ रहे हैं और ऐसा लगता है कि उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। कोई भी उम्मीदवार गहलोत का समर्थन हासिल करने की कोशिश करता नहीं दिख रहा है। सवाल

उठ रहा है कि क्या राजस्थान कांग्रेस में अशोक गहलोत का प्रभाव अब कम हो गया है, क्योंकि उनके कई करीबी नेता उनका साथ छोड़ चुके हैं। वहीं, सचिन पायलट ने अभी तक

अपने पते नहीं खोले हैं। हालांकि अटकलें हैं कि चुनाव लड़ने वाले तीन संभावित उम्मीदवार उनके खेमे से हो सकते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यों को 20 प्रतिशत ज्यादा एलपीजी मिलेगी

नई दिल्ली, 21 मार्च। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को बड़ी राहत दी है। इस संबंध में मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर एलपीजी सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है।

उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि 23 मार्च 2026 से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20 प्रतिशत ज्यादा गैस दी जाएगी।

यह जो अतिरिक्त 20 प्रतिशत गैस दी जाएगी, उसका प्रयोग चुने गए

- एलपीजी संकट के बीच केंद्र सरकार ने नई व्यवस्था घोषित की, जो 23 मार्च से लागू होगी।

सेक्टरों के लिए प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। डॉ. नीरज मित्तल के पत्र के मुताबिक, यह सप्लाई मुख्य रूप से ष बॉ, होटलों, रेस्टोरेंट और इंडस्ट्रियल कैंटीन को दी जाएगी। इसके पीछे सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि खान-पान की सेवाओं और फूड इंडस्ट्री पर संकट का असर कम से कम से कम हो।

प्रवासी मजदूरों की जरूरतों का भी मंत्रालय ने ध्यान रखा है। पत्र के मुताबिक 5 किलो वाले फ्री ट्रेड (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने 4000 किलोमीटर दूर अमेरिकी "बेस" डिएगो गार्सिया को निशाना बनाया

हालांकि, इस मिसाइल हमले से "एयर बेस" को क्षति नहीं पहुंची, पर, खाड़ी युद्ध का आयाम बदल गया

-अंजन राय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। ईरान ने अमेरिका-इजरायल गठबंधन के साथ चल रहे युद्ध को पश्चिम एशिया से बहुत दूर, करीब 4,000 किलोमीटर दूर, हिंद महासागर के डिएगो गार्सिया द्वीप तक फैला दिया है। ईरान की मिसाइलों की इतनी लंबी मारक क्षमता ने पश्चिम के सैन्य हलकों को चौंका दिया है और रणनीतिक विशेषज्ञों को भी हैरान कर दिया है।

अब तक माना जाता था कि ईरान के पास 1250-1300 किलोमीटर तक मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइलें ही हैं। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान ने अपनी मिसाइल क्षमता को छिपाकर रखा था और इनके बारे में कम जानकारी दी थी।

ब्रिटेन ने हाल ही में अमेरिका को चांगोस द्वीप समूह के डिएगो गार्सिया स्थित अपने एयरबेस का उपयोग ईरान पर हमले के लिए करने की अनुमति दी थी। इसके जवाब में ईरान ने इस एयरबेस को निशाना बनाकर अपनी मिसाइल शक्ति दिखाने की कोशिश की। हालांकि,

- हालांकि, अमेरिका अभी भी अपने बड़बोलेपन से बाज नहीं आया तथा दावा करता रहा है कि ईरान पर विजय हासिल कर ली है, अतः अब युद्ध को ठंडा करना शुरू करेगा।

- पर, सच्चाई यह प्रतीत होती है कि बेबस अमेरिका अब किसी भी तरह खाड़ी युद्ध से भागना चाहता है।

- एक तरफ तो ईरान की मिसाइल की मार इतनी दूर तक होना तथा अमेरिका के आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-16 को ईरान द्वारा गिराने से अमेरिका ने ईरान की तरफ अपना रूख भी ढीला किया तथा ईरान को अपना तेल बेचने की "इजाजत" दी। इस तरह ईरान का 140 मिलियन बैरल ऑयल, जिसकी कीमत लगभग 14 बिलियन डॉलर आंकी जाती है, अब बिक्री के लिए बाजार में आ गया है।

- झेंप मिटाने के लिए अमेरिका अब यह भी कह रहा है कि उसे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की जरूरत नहीं है, क्योंकि इस रास्ते से एशिया व चीन का तेल आता है, अमेरिका का नहीं। पर, फिर भी वह आसानी से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खुलवा सकता है, अगर कुछ देश उसका साथ दें।

ईरान की लंबी दूरी की बैलिस्टिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने यूएनआई से दिल्ली मुख्यालय छीना

हाई कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने पत्रकारों को मुख्यालय से बाहर निकाला

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। पुलिस ने वकीलों और अधिकारियों के साथ शुक्रावार रात यहां यूएनआई समाचार एजेंसी के मुख्यालय को सील कर दिया, क्योंकि दिल्ली हाई कोर्ट ने उसे सरकारी जमीन से बेदखल करने का आदेश दिया। पत्रकारों को उस समय बाहर निकाल दिया गया, जब उनका काम का बहुत तेजी पर था।

अदालत ने कहा कि यूएनआई 45 वर्षों से अधिक समय तक इस मूल्यवान सार्वजनिक भूमि पर प्रभावी रूप से कब्जा जमाए हुए थी, जबकि वह भूमि आवंटन की शर्तों के तहत अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में असमर्थ रही।

पुलिस की यह कार्रवाई दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के कुछ ही घंटों बाद हुई। दिल्ली हाई कोर्ट ने सेन्ट्रल दिल्ली में, कर्नाट प्लेस से कुछ ही दूरी पर स्थित, चार दशक पहले यूएनआई को

- जिस समय यह कार्यवाही हुई, उस समय पत्रकार काम में बहुत व्यस्त थे। ज्ञातव्य है कि इस ऑफिस से अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू की न्यूज एजेंसीज काम करती हैं।

- हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यूएनआई ने 45 साल से कीमती सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा है और आवंटन की शर्तों का पालन भी नहीं किया है। इसलिए यह भूखंड तुरंत वापस लिया जाए।

- भूमि विकास कार्यालय ने 29 मार्च को सेंट्रल दिल्ली के, 9, रफी मार्ग स्थित 2024 वर्ग मीटर के भूखंड का आवंटन रद्द कर दिया था। यूएनआई ने इसे कोर्ट में चुनौती दी थी, पर हाई कोर्ट ने यूएनआई की याचिका खारिज कर दी।

दो गई भूमि के आवंटन को रद्द करने का आदेश दिया था।

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने शुक्रावार दोपहर 1:30 बजे यह आदेश पारित किया और यूएनआई की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने 29

मार्च 2023 के भूमि एवं विकास कार्यालय के पत्र को चुनौती दी थी। इस पत्र में सेन्ट्रल दिल्ली के रफी मार्ग स्थित 2,024 वर्ग मीटर भूमि के आवंटन को रद्द किया गया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति को फोन किया

नई दिल्ली, 21 मार्च। पश्चिम एशिया में पिछले 22 दिनों से जारी सैन्य संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से शनिवार को टेलीफोन कर बातचीत की और ईद एवं नवरोज की बधाई दी। मोदी

- प्र.मंत्री मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन को ईद व नवरोज की शुभकानाएं दीं, पश्चिम एशिया शांति स्थापना के लिए वार्ता की।

ने आशा व्यक्त की कि यह त्योहारों का मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लेकर आएगा।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हालिया हमलों पर चिंता जताई और उनकी कड़ी निंदा की।

प्रधानमंत्री ने नौवहन की स्वतंत्रता (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जहां अपने उत्तराधिकारी के रूप में भाजपा के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को लेकर अपनी पसंद का संकेत साफ तौर पर दिया है, वहीं इस वरिष्ठ समाजवादी नेता ने वंशवादी राजनीति के प्रति अपना विरोध भी छोड़ दिया है, क्योंकि वे परोक्ष रूप से अपने बेटे निशांत कुमार को राज्य की राजनीति में आगे बढ़ा रहे हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि नीतीश कुमार लगभग दो दशकों तक मुख्यमंत्री रहने के बाद, 9 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने से पहले, अर्थात् अप्रैल के प्रथम सप्ताह में, अपने पद से इस्तीफा दे देंगे।

कुमार, अपने गिरते मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की रिपोर्टों के बावजूद, फिलहाल सक्रिय राजनीति छोड़ने के इच्छुक नहीं दिखते। वे चौथी बार भी जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर बने रहेंगे, और ऐसे भी साफ संकेत हैं कि वे अपने बेटे निशांत के लिए कोई महत्वपूर्ण पद चाहते हैं।

सूत्रों के अनुसार, निशांत को जदयू

नीतीश सम्राट चौधरी को अपना उत्तराधिकारी बनाने के संकेत पहले ही दे चुके हैं

- दो दशक तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार 9 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे और इससे पहले वे संभवतया बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे।

- नीतीश के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के लगातार बिगड़ने की खबरों के बावजूद भी वे सक्रिय राजनीति में बने रहना चाहते हैं और जद (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहेंगे।

- निशांत के वर्किंग प्रेसिडेंट बनने से संजय झा को यह पद छोड़ना पड़ेगा और चर्चा है कि उन्हें राज्यसभा में हरिवंश नारायण सिंह के पद पर एडजस्ट किया जा सकता है। हरिवंश को इस बार राज्यसभा का टिकट नहीं मिला है।

का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जा सकता है, तथा इस प्रकार वे संजय कुमार झा की जगह ले सकते हैं। इस पद के खाली होने की संभावना भी है। दरअसल

हरिवंश नारायण सिंह का राज्यसभा कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हो रहा है और चूंकि हरिवंश को दोबारा नामित नहीं किया गया है, इसलिए ऐसे संकेत

हैं कि संजय कुमार झा को इस पद पर पदोन्नत किया जा सकता है।

नीतीश कुमार को रविवार को औपचारिक रूप से जदयू का निर्वाचित अध्यक्ष घोषित किए जाने की संभावना है, क्योंकि इस पद के लिये नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि कल है। हालांकि जदयू के कुछ नेताओं द्वारा निशांत को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की गई थी, लेकिन यह मांग कुछ ज्यादा ही बड़ी मानी जा रही थी। हालांकि ऐसे पर्याप्त संकेत हैं कि उन्हें बिहार की राजनीति में बड़ी भूमिका के लिए तैयार किया जा रहा है। यह भी संभावना है कि उन्हें बिहार की नई कैबिनेट में उपमुख्यमंत्री बना दिया जाये।

निशांत भी इस दिशा में सक्रिय नजर आ रहे हैं। वे हाल ही में जहानाबाद गए थे, जहां उन्होंने पूर्व सांसद अरुण कुमार और जदयू विधायक ऋतुराज (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने ईद की शुभकानाएं दी

नई दिल्ली, 21 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ईद-उल-फितर के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए समाज में

- तीनों नेताओं ने एक पर लिखी एलन-अलगा पोस्ट समाज में भाईचारे, शांति व सद्भाव की कामना की।

भाईचारा, सद्भाव एवं खुशहाली की कामना की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में कहा कि ईद-उल-फितर के पावन अवसर पर सभी देशवासियों, विशेषकर मुस्लिम समुदाय के लोगों को हार्दिक बधाई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साउथ पार्स में आग लगी तो भारत की इकॉनमी भी झुलसेगी?

फारस की खाड़ी में स्थित साउथ पार्स विश्व का सबसे बड़ा गैस फील्ड है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होने के साथ, फारस की खाड़ी में स्थित एक सुदूर गैस क्षेत्र भारत को अर्थव्यवस्था के लिए एक शांत, लेकिन गंभीर चिंता बनकर उभर रहा है। साउथ पार्स, कतर के नॉर्थ फील्ड के साथ साझा एक विशाल समुद्री गैस भंडार का ईरानी हिस्सा है। यह इसलिए महत्वपूर्ण है कि भले ही भारत सीधे ईरान से गैस नहीं खरीदता, लेकिन इसके आसपास का क्षेत्र अन्तर्राष्ट्रीय एलएनजी व्यापार के केन्द्र में है। यहां उत्पादन, शिपिंग या निवेशकों के भरोसे पर कोई भी खतरा जल्दी ही भारत की अर्थव्यवस्था, उद्योग और घरेलू बजट को प्रभावित कर सकता है।

भारत के लिए तत्काल खतरा गैस

की आपूर्ति रुकने का नहीं, बल्कि कीमतों में तीव्र बढ़ोतरी का है। कतर, जिसका नॉर्थ फील्ड इसी बड़े भंडार का हिस्सा है, सन् 2024 में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलएनजी निर्यातक था और वैश्विक एलएनजी निर्यात का लगभग पांचवां हिस्सा कतर ही देता था। कतर का लगभग पूरा एलएनजी होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) से होकर गुजरता है, जहां से 2025 में दुनिया के कुल एलएनजी व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत (करीब 112 अरब घन मीटर) गुजरता था। इससे साफ है कि साउथ पार्स, नॉर्थ फील्ड क्षेत्र केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय गैस व्यापार का केन्द्र है।

भारत के लिए इसका मतलब यह है कि एलएनजी की बढ़ती कीमतें सिर्फ ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेंगी। इसका

- इसके बड़े हिस्से पर ईरान का कब्जा है और कतर का नॉर्थ फील्ड भी इसी से सटा हुआ है। खाड़ी युद्ध में अमेरिका-इजरायल ने इस गैस फील्ड को निशाना बनाने की धमकी दी है।

- इस क्षेत्र पर हमले से पूरे विश्व में लिक्विफाइड नैचुरल गैस (एलएनजी) की आपूर्ति प्रभावित हो जाएगी। यह क्षेत्र एलएनजी व्यापार का अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र है।

- भारत, एलएनजी के लिए पूरी तरह से आयात पर निर्भर है और अगर साउथ पार्स पर हमला हुआ तो भारत में एलएनजी के दाम आसमान छूने लगेंगे और यह भारत की बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था को गर्त में धकेल सकता है।

असर उर्वरक की लागत, शहरों में गैस वितरण, उद्योगों के ईंधन खर्च और अंत में महंगाई पर पड़ेगा। भारत पहले से ही आयातित तेल और गैस पर बहुत ज्यादा

निर्भर है, और सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश की ऊर्जा व्यवस्था में इनका कितना बड़ा महत्व है। पले ही गैस की सप्लाई जारी रहे, लेकिन युद्ध का

जोखिम, बीमा लागत और बाजार में अटकलें भारत के आयात बिल को बढ़ा सकती हैं।

समस्या का एक और पहलू है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, 2025 में होर्मुज से गुजरने वाले एलएनजी का लगभग 90 प्रतिशत एशिया जा रहा था। यानी, सबसे पहले असर एशिया पर पड़ेगा और भारत भी उसी दबाव वाले क्षेत्र में आता है। अगर खाड़ी के समुद्री रास्तों पर तनाव बढ़ता है, तो भारत को न केवल ऊंची कीमतों का सामना करना पड़ सकता है, बल्कि अन्य एशियाई देशों के साथ गैस खरीदने की प्रतिस्पर्धा भी बढ़ सकती है।

खासकर ऐसे बाजार में, जहां वास्तविक आपूर्ति रुकने से पहले ही कीमतें तेजी से बदलने लगती हैं। साउथ पार्स इसलिए भी महत्वपूर्ण

है, क्योंकि यह ईरान की अपनी गैस व्यवस्था के लिए बेहद जरूरी है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के अनुसार, इस क्षेत्र से होने वाला उत्पादन ईरान की घरेलू जरूरतों और निर्यात, दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए पले ही संघर्ष सीधे एलएनजी व्यापार को न रोके, लेकिन साउथ पार्स के आसपास अस्थिरता पूरे क्षेत्र में ऊर्जा को लेकर चिंता बढ़ा सकती है। बाजार सिर्फ आपूर्ति में कमी पर नहीं, बल्कि संभावित जोखिम के डर पर भी प्रतिक्रिया देता है।

नई दिल्ली के लिए इसका साफ सबक है। युद्ध प्रभावित खाड़ी क्षेत्र में भारत की कमजोरी केवल तेल तक सीमित नहीं रही। अब गैस, समुद्री रास्ते और आयातित ऊर्जा की लागत भी उतनी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'होर्मुज स्ट्रेट को बंद नहीं किया है'

तेहरान, 21 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच ईरान ने स्पष्ट किया है कि उसने रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं किया है, बल्कि केवल कुछ चुनिंदा जहाजों पर प्रतिबंध लगाए हैं। विदेश मंत्री अब्बास अराघची के इस बयान ने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बड़

- ईरान के विदेश मंत्री ने जापानी न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहा हम अपने सहयोगी देशों को रास्ता देने व उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं।

ती चिंताओं के बीच स्थिति को लेकर नया स्पष्टीकरण दिया।

ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार जापान की क्योदो न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट खुला है और (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

70 लाख की अवैध शराब व बीयर से भरा कंटेनर पकड़ा, दो तस्कर गिरफ्तार

अवैध शराब व बीयर पंजाब से तस्करी कर गुजरात ले जाई जा रही थी

सूरतगढ़, (निस)। यहां सदर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम ने शनिवार को 648 पेटी अवैध शराब व बीयर से भरा एक कंटेनर पकड़ा है। इसके साथ ही दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई शराब की कीमत करीब 70 लाख रुपए आंकी गई है।

एस्पी हरीशंकर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पंजाब से गुजरात की ओर अवैध शराब से भरा कंटेनर ले जाया जा रहा है। सूचना पर सदर थाना के एएसआई इन्द्राज पुनिया व उनकी टीम ने जिला विशेष टीम के कॉन्स्टेबल पवन कुमार के साथ अनूपगढ़ रोड़ पर कंटेनर का पीछा किया। इस दौरान कंटेनर को

■ कंटेनर को एस्कॉर्ट कर रही एक कार मौके से फरार होने में कामयाब हो गई

■ पुलिस ने कंटेनर की तलाशी ली, जिसमें शराब और बीयर की 648 पेटियां बरामद हुईं

■ ट्रक को पीछे से खोल कर देखा तो उसमें पैकिंग गल्टे के रोल भरे हुए थे, पीछे से देखने पर शराब के कार्टून दिखाई नहीं दिए

एस्कॉर्ट कर रही एक कार मौके से फरार होने में कामयाब हो गई, जबकि पुलिस टीम ने कंटेनर को रोही 08 एसडी के पास रोककर तलाशी ली। जिसमें अवैध रूप से परिवहन की जा रही शराब और बीयर की कुल 648 पेटियां बरामद हुईं। पुलिस टीम ने ट्रक

सवार ड्राइवर प्रकाश कुमार (26) पुत्र मोहनलाल मेघवाल, निवासी चौहटन बाड़मेर और रुपाराम (20) पुत्र गोकलाराम भील, निवासी कापराऊ, चौहटन बाड़मेर को गिरफ्तार कर लिया।

सदर थाना के सहायक उप

निरीक्षक इन्द्राज पुनिया ने बताया कि ट्रक को पीछे से खोल कर देखा तो उसमें पैकिंग गल्टे के रोल भरे हुए थे, जिन्हें पहले थाने लाकर उतारा गया। पीछे से देखने पर शराब के कार्टून दिखाई नहीं दिए। केबिन की सघन जांच की तो उसमें एक अलग से ढक्कन लगाया हुआ था, जिसे खोलकर देखा तो अंदर अलग से एक और बॉक्सनुमा केबिन मिला, इसी में शराब के यह कार्टून भरे हुए थे। प्रारंभिक पड़ताल में दोनों आरोपियों ने इस शराब को पंजाब के कोटकपुरा इलाके से लोड कर गंगानगर, सूरतगढ़, अनूपगढ़ और जैसलमेर लेते हुए गुजरात के अहमदाबाद की ओर ले जा जाने की जानकारी दी है।

फिलहाल आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज करते हुए प्रकरण में आगे की जांच सब इंस्पेक्टर संपत धायल को सौंपी गई है। एएसआई इन्द्राज पुनिया ने बताया कि 648 पेटियों में अलग-अलग ब्रांड की व्हिस्की और बियर बरामद हुई है, जिनका बाजार मूल्य करीब 70 लाख रुपए आंका गया है। पुलिस टीम में एएसआई इन्द्राज के साथ कॉन्स्टेबल सूर्यप्रकाश, कमलेश, अजय, रणवीर, अनिल कुमार, दिनेश और जिला विशेष टीम के कॉन्स्टेबल पवन कुमार शामिल रहे। इस कार्रवाई में कॉन्स्टेबल पवन कुमार की विशेष भूमिका रही।

बीकानेर में बारिश-ओलावृष्टि से खेतों में फसलें खराब हुईं

कई गांवों में 90 फीसदी नुकसान, ईसबगोल, गेहूं, चना की फसल पानी में डूबी

बीकानेर, (निस)। यहां बारिश और ओलावृष्टि से फसल खराब हो गई और कई गांवों में 90 फीसदी तक नुकसान हुआ, वहीं ईसबगोल, गेहूं और चना की फसल प्रभावित हुईं और कॉरेंस ने गिरदावरी व मुआवजे की मांग उठाई। पिछले दिनों हुई बेमौसम बारिश के बाद जिलेपर के किसानों को भारी नुकसान हुआ है और प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की जा रही है।

बीकानेर जिले के आसपास के गांवों के साथ श्रीद्वारगढ़, लूणकरनसर,

पुगल, खाजूवाला और नोखा के गांवों में बारिश और ओलावृष्टि से खड़ी फसल को नुकसान हुआ है। पूगल क्षेत्र में ईसबगोल की खड़ी फसल पूरी तरह खराब हो गई। वहीं अन्य गांवों में गेहूं और चना की फसल को भी नुकसान पहुंचा है। जिन किसानों ने फसल काटकर खेत में छोड़ रखी थी, उन्हें भी भारी नुकसान उठाना पड़ा। एक रात की तेज बारिश ने कई महीनों की मेहनत पर असर डाल दिया। देहात कॉरेंस अध्यक्ष बिशानाराम सियाग ने

जिलेभर में गिरदावरी कराने की मांग की है। उनका कहना है कि हजारों किसानों की फसल खराब हुई है, ऐसे में तुरंत सर्वे होना चाहिए। सियाग ने कहा कि जिन किसानों ने फसल बीमा कराया है, उन्हें पूरा मुआवजा मिलना चाहिए। बीमा प्रक्रिया को सरल बनाया जाए ताकि किसानों को जल्दी राहत मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने मुआवजे की प्रक्रिया शुरू नहीं की तो आंदोलन किया जाएगा।

राज्य के मांडल स्कूलों में कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं व सुविधाओं की दरकार

विडंबना है कि इन स्कूलों में केवल विज्ञान संकाय (मेडिकल/नॉन-मेडिकल) ही उपलब्ध है

■ स्कूलों में कला एवं वाणिज्य संकाय नहीं होने से 10वीं कक्षा के बाद इन संकायों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है

■ 'राज्य सरकार को विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मांडल स्कूलों में कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं में कला एवं वाणिज्य संकाय भी शुरू करना चाहिए'

हो, लेकिन कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं व सुविधाओं की दरकार बनी हुई है। ऐसे में हर साल करीब 40 प्रतिशत विद्यार्थी दसवीं के बाद मांडल स्कूलों को छोड़ रहे हैं। हैरानी की बात है कि इस ओर किसी का ध्यान तक नहीं जा रहा है। दसवीं बोर्ड कक्षा उत्तीर्ण के बाद विद्यार्थियों को सामान्यतया कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय में से अपनी रुचि के अनुसार विषय चुनने का अवसर मिलता है, लेकिन इन मांडल स्कूलों में फिलहाल केवल विज्ञान संकाय ही संचालित है। ऐसे में कला या वाणिज्य विषय से पढ़ाई करना चाहने वाले विद्यार्थियों में प्रवेश लेना पड़ता है।

राजस्थान में स्वामी विवेकानंद राजकीय मांडल स्कूल योजना की शुरुआत मुख्य रूप से वर्ष 2014-15 में की गई थी, जिसके तहत शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों में 134 विद्यालय स्थापित किए गए। ये विद्यालय अंग्रेजी माध्यम के हैं और केंद्रीय विद्यालयों की तर्ज पर चलते हैं, जिनमें 6 से 12 तक की शिक्षा दी जाती है। सत्र 2024-25 से इन स्कूलों में ग्राइमरी स्तर (कक्षा 1-5) की पढ़ाई भी शुरू की गई है। जिले में अनूपगढ़ एवं सूरतगढ़ ब्लॉक में मांडल स्कूल संचालित हैं। अरविंद्र सिंह, सीडीईओ, शिक्षा विभाग, श्रीगंगानगर ने बताया कि ये

मांडल स्कूल सीबीएसई बोर्ड की तर्ज पर चलते हैं। इसकी मॉनिटरिंग भी की जाती है। इन स्कूलों के लिए बजट सीधा राज्य सरकार से सीधे तौर पर आता है। हमारे सामने कभी भी इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों ने संकायों की कमी को लेकर शिकायत तक नहीं की। इन स्कूलों के नजदीक ही आरबीएसई के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित हो रहे हैं।

मोहर सिंह सलावद, प्रदेशाध्यक्ष, शिक्षक संघ रेस्टा, राजस्थान का कहना है कि वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर विद्यार्थी अब भी कला संकाय को प्राथमिकता देते हैं। लेकिन मांडल स्कूलों में कला संकाय नहीं होने से विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा के बाद या तो मजबूरी में विज्ञान विषय चुनना पड़ रहा है या फिर उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ता है। राज्य सरकार को विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मांडल स्कूलों में कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं में कला एवं वाणिज्य संकाय भी शुरू करना चाहिए।

कोटपूतली में ऊंटों की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतली, (निस)। जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश व जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशन में एएसपी नाजिम अली खान व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के सुपरविजन में सरुण्ड थानाधिकारी यशपाल सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु मुखबीर से मिली एक ट्रक में ऊंटों की तस्करी की सूचना पर नाकाबंदी की।

इस दौरान एक ट्रक तेज गति से नारेहाड़ा से कोटपूतली की तरफ आता हुआ दिखाई दिया, जिसको रूकवाया गया तो ट्रक में बैठे दो जने भागने की कोशिश करने लगे, जिस पर दोनों को पकड़ा गया। ट्रक की तलाशी ली गई तो उसमें 27 ऊंट-ऊंटनी बांध रखे थे। जिस पर चालक सीट पर बैठे व्यक्ति का नाम पूछा तो उसने अपना नाम तालीम (23) पुत्र निजर व दूसरे ने



पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त वाहन व 27 ऊंट-ऊंटनी बरामद किये

अपना नाम कामील (27) पुत्र कल्लू होना बताया। दोनों को बिना लाईसेंस व अनुज्ञा पत्र के अवैध ऊंटों की तस्करी करने पर गिरफ्तार किया गया। वहीं अवैध तस्करी में प्रयुक्त वाहन को जब्त किया गया।

मण्डावा में गणगौर की शाही सवारी लवाजमे के साथ निकाली

गणगौर की शाही सवारी का पहली बार लाइव प्रसारण हुआ

झुंझुनू, मण्डावा, (निस)। राजस्थान की समृद्ध लोक परंपरा, आस्था और सांस्कृतिक वैभव का प्रतीक गणगौर महोत्सव इस वर्ष शेखावाटी की पर्यटन नगरी मण्डावा में अभूतपूर्व भव्यता और नवीन प्रयोगों के साथ मनाया गया। ऐतिहासिक हवेलियों और रंग-बिरंगी गलियों से सजे इस कस्बे में इस बार का आयोजन न केवल परंपराओं का निर्वहन था, बल्कि आधुनिक तकनीक के साथ उसका अनूठा समागम भी देखने को मिला। राज परिवार, मण्डावा के मार्गदर्शन



मंडावा के गढ़ परिसर में गणगौर स्नेह मिलन समारोह में शिवांजुन सिंह, अनिरुद्ध सिंह व अंगद देव सिंह आदि सहित कई लोगों ने परंपराओं के तहत शाही सवारी में भाग लिया।

श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ ने वातावरण को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया। इस वर्ष शोभायात्रा को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए पारंपरिक लवाजमे के साथ-साथ सजी-धजी पालकियों का नया समावेश किया गया, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। गणगौर महोत्सव केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि राजस्थान की लोक संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का सशक्त माध्यम है। यह वर्ष विशेष रूप से महिलाओं की श्रद्धा, सौभाग्य और भगवान शिव-पार्वती के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर नवविवाहिताओं ने परंपरा अनुसार मिट्टी से निर्मित गणगौर और ईसर की प्रतिमाओं को गढ़ के समीप स्थित कुएं में विस्मर्जित कर सुख-समृद्धि की कामना की और मेले का आनंद लिया। इस बार का आयोजन मण्डावा को एक बार फिर सांस्कृतिक पर्यटन के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करता नजर आया, जहां परंपरा और आधुनिकता का संगम नई पहचान गढ़ रहा है। मंडावा के गढ़ परिसर में शनिवार को गणगौर स्नेह मिलन समारोह में राज परिवार के शिवांजुन सिंह, अनिरुद्ध सिंह व अंगद देव सिंह ने परंपराओं के तहत शाही सवारी में भाग लिया। जिला कलेक्टर अरुण गर्ग ने लोगों को पर्व की

मांशी बांध में युवक का शव तैरता मिला

टोंक, (निस)। निवासी सदर थाना क्षेत्र के जोधपुरिया गांव स्थित मांशी बांध में शनिवार को एक युवक का शव पानी में तैरता हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह जब भगवान देवनाथगण मंदिर के पीछे स्थित घाट पर स्नान के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं की नजर जैसे ही पानी में तैर रहे शव पर पड़ी, मौके पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में

ग्रामीण वहां एकत्रित हो गए। बाद में सूचना पर मौके पर पहुंची निवासी सदर थाना पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला तथा शव को एंबुलेंस से निवासी उपजिला अस्पताल को मोचरी में रखवाया गया। पुलिस जांच के दौरान मृतक की पहचान केशव गुर्जर उर्फ भीष्म पुत्र समय सिंह, निवासी मांचंडी पुलिस थाना नादौती जिला करौली के रूप में हुई है।

किसान ने फांसी लगाई

उदयपुर, (निस)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में किसान ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र रामा गांव निवासी वरदीचंद पुत्र टीला डांगी ने शुक्रवार सांय अपने मकान में फांसी लगा ली। इसको देख परिरजन उसे फंदे से निचे उतार कर चिकित्सालय ले गए जहां उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

गणगौर का पर्व उत्साह से मनाया

छबड़ा, (निस)। गणगौर पर्व यहाँ पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही महिलाओं और युवतियों में इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। पर्व के अवसर पर महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक परिधान धारण कर माता गौरी और भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने परिवार की सुख-समृद्धि, अखंड सौभाग्य और खुशहाली की कामना की। कई स्थानों पर महिलाओं ने समूह में पारंपरिक लोकगीत गाए और गणगौर माता की आराधना की। हाथों में कलश और सिर पर गणगौर की प्रतिमा उड़ाए गीत गाती हुई महिलाएं शोभायात्रा के रूप में निकलीं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी गणगौर पर्व की विशेष गहलोल देखने को मिली। युवतियों ने 16 दिनों तक ब्रत रखकर माता गौरी की पूजा की। पर्व के अंतिम दिन उन्होंने विधि-विधान से पूजा संपन्न की। इस अवसर पर कई स्थानों पर सामूहिक पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

भूमि संपदा के अध्ययन पर आधारित “कोटा लैंड बैंक” पुस्तक का विमोचन

कोटा, (निस)। कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) के अंतर्गत उपलब्ध भूमि संपदा के व्यापक अध्ययन पर आधारित पुस्तक कोटा लैंड बैंक विश्लेषण और अवसर का विमोचन राजस्थान रेडक्रॉस सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष, कोटा नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष तथा माहेरखरी समाज कोटा के अध्यक्ष राजेश बिरला द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के देवेन्द्र सिंह चौहान, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जिला कोटा महामंत्री रमेशचंद्र गोयल, राजीव गांधी नगर ऑक्सिजन विकास समिति के अध्यक्ष प्रतीक गोयल, महासचिव हिम्मत् सिंह 'बालूपा', सह कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, युवा उद्यमी अनुपम गुप्ता, उद्यमी विशाल वर्मा, राधेश्याम मित्तल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस पुस्तक का लेखन एवं संपादन केडीए के राजस्व सलाहकार परमानन्द

जागरूक करने हेतु केस स्टडी एवं दृष्टांत भी दिए गए हैं। पुस्तक में भूमि उपयोग से जुड़े नवाचारों और संधानवाओं को रेखांकित किया गया है। इसके अतिरिक्त, जन सामान्य के लिए उपयोगी एफएक्यू (फ्रीक्वेंटली एस्केड क्वेश्चंस-अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न) की शामिल किया गया है, जिससे भूखण्ड क्रय, आवंटन या पुनर्विक्रय से संबंधित निर्णय लेने में सहायता मिल सके।

लेखक परमानन्द गोयल के अनुसार, पुस्तक में लगभग आठ हजार से अधिक भूखण्डों से संबंधित सूचनाओं का संकलन किया गया है, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2900 करोड़ रुपये आंकी गई है। उन्होंने बताया कि यदि इन भूखण्डों का सुनियोजित उपयोग, विक्रय एवं नीलामी की प्रक्रिया अपनाई जाए, तो आगामी तीन वर्षों में लगभग 1000 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया जा सकता है, जिससे जन आकांक्षाओं की पूर्ति संभव होगी।

कोटा दूरिज्य-विजिट कोटा यादगार कोटा, विचारों की उड़ान तथा हाइड्रो गौरव सम्मान 2026 जैसी पुस्तकों का लेखन एवं संपादन कर चुके हैं। पुस्तक में केडीए के अंतर्गत उपलब्ध रिक्त भूखण्डों एवं भूमि संपदा का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। इसमें न केवल भूखण्डों का विवरण दिया गया है, बल्कि उनके सर्वोत्तम उपयोग, आवंटन, पुनः आवंटन तथा नीलामी का विस्तृत व्यावहारिक सुझाव भी शामिल किए गए हैं। साथ ही, आमजन को

कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) के अंतर्गत उपलब्ध भूमि संपदा के व्यापक अध्ययन पर आधारित है पुस्तक गोयल द्वारा किया गया है। यह उनकी आठवीं पुस्तक है। इससे पूर्व वे संसद विजिट-यादें, पांच साल बेमिसाल, कोटा दूरिज्य-विजिट कोटा यादगार कोटा, विचारों की उड़ान तथा हाइड्रो गौरव सम्मान 2026 जैसी पुस्तकों का लेखन एवं संपादन कर चुके हैं। पुस्तक में केडीए के अंतर्गत उपलब्ध रिक्त भूखण्डों एवं भूमि संपदा का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। इसमें न केवल भूखण्डों का विवरण दिया गया है, बल्कि उनके सर्वोत्तम उपयोग, आवंटन, पुनः आवंटन तथा नीलामी का विस्तृत व्यावहारिक सुझाव भी शामिल किए गए हैं। साथ ही, आमजन को

छबड़ा के खेल मैदान में 38 लाख की लागत से लगेंगे 65 विद्युत खम्बे

छबड़ा, (निस)। यहां का खेल मैदान अब कुछ ही दिनों में रोशनी से सरोबार हो उठेगा। जिससे शान्ति को वीरान दिखने वाले मैदान पर खेल प्रतिभाओं की चहल-कदम बढ़नी शुरू हो जाएगी। अब खिलाड़ी रात्रि में भी अभ्यास कर सकेंगे। यहां नगर पालिका द्वारा लगभग 38 लाख रुपए की लागत से 65 विद्युत खंबे लगाए जा रहे हैं। इससे खेल प्रेमियों में हर्ष व्याप्त है। खेल प्रेमियों ने विधायक प्रतापसिंह सिंघवी का आभार व्यक्त किया। इंडो सौंदीय गहलोल के

■ शहरवासियों को रात्रि के समय में वॉक की सुविधा मिल सकेगी

अनुसार मैदान में सुविधाओं के अभाव के कारण स्थानीय खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए काफी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। लेकिन नई विधायक सिंघवी के अथक प्रयासों के खेल प्रेमियों व कस्बेवासियों को सुविधायुक्त खेल मैदान मिल सकेगा। यहां खेल

प्रेमियों के भावनाओं के अनुसार सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सुविधाओं की कमी के कारण खिलाड़ियों के सामने अभ्यास की समस्या थी, जो अब दूर हो सकेगी। वहीं खेल मैदान के विकास से बेहतर अभ्यास मिलेगा। इसी क्रम में यहां नगर पालिका द्वारा 38 लाख रुपए की लागत से 65 विद्युत खंबे लगाए जा रहे हैं। जिससे खेल मैदान रात्रि के समय में भी जगमग रहेगा और शहरवासियों को रात्रि के समय में वॉक की सुविधा मिल सकेगी।

मृतक की पत्नी को क्लेम मिला

श्रीगंगानगर, (निस)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एसएसबी रोड स्थित शाखा ने एक बार फिर बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। बैंक की ओर से संचालित दुर्घटना बीमा (पीएआई) योजना के अंतर्गत, एक

दिवंगत ग्राहक के परिवार को 20 लाख की बीमा राशि का चेक सौंपकर आर्थिक संबल प्रदान किया गया।

शाखा बंधुधक अनिकेत मिश्रा ने बताया कि बैंक के ग्राहक अशोक कुमार ने इस योजना के तहत मात्र 1000 के प्रीमियम पर अपना बीमा करवाया था। दुर्भाग्यवश, एक सड़क दुर्घटना में उनका निधन हो गया। बीमा शर्तों के अनुसार, बैंक ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दावे की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान मृतक की नांमिनी और उनकी पत्नी शोभा देवी को बीस लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया।

शाही ठाठ-बाट से निकली गणगौर माता की सवारी

सिटी पैलेस में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और पूर्व राजपरिवार की महिलाओं ने गणगौर माता का विधिवत पूजन किया

जयपुर। जयपुर की विश्व प्रसिद्ध गणगौर की शोभायात्रा को देखने के लिए शनिवार को जयपुरवासी उमड़ पड़े। चारदीवारी पूरी तरह गणगौर और ईसर के रंग में रंग गई। पहली बार 210 लोक कलाकारों के अलग-अलग समूह ने लोक कला की ऐसी रंगत बिखेरी कि दर्शक निहारते ही रहे। वहीं 32 पारंपरिक लवाजमों के भव्य संयोजन ने गणगौर माता की शाही सवारी में चार चांद लगा दिए। पर्यटन विभाग के उपनिदेशक



शाही परंपरा के अनुसार गणगौर माता चलायमान सिंहासन पर विराजमान रही।

उठाकर त्रिपोलिया गेट से चौड़ा रास्ता पहुंचे।

शाही परंपरा के अनुसार गणगौर माता चलायमान सिंहासन पर विराजमान रही। यहां गणगौर माता के दर्शन के लिए काफी देर से खड़े श्रद्धालुओं ने जयकारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। सजी-धजी झांकियों और पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित कलाकारों ने राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक मार्ग के दोनों ओर एकत्र होकर माता के दर्शन करते नजर आए।

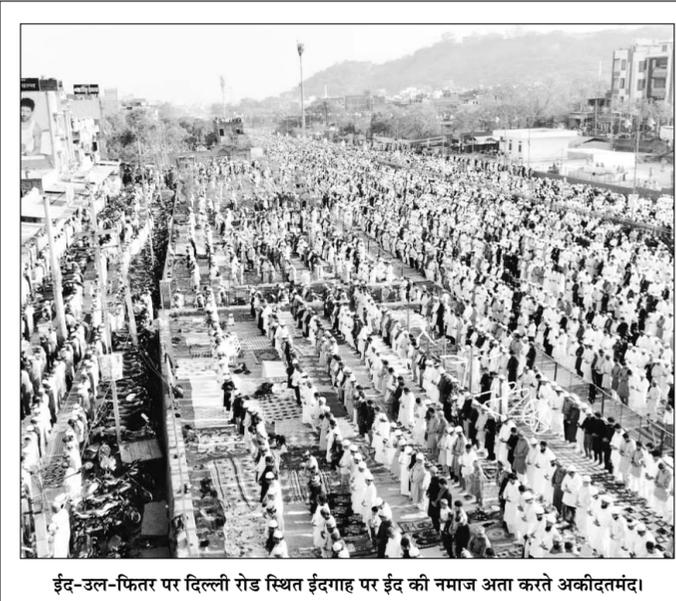
गणगौर माता का श्रृंगार आकर्षण का केन्द्र रहा। माता को लगभग 1.5 किलो के मुकुट, 150 ग्राम के मांग टीका, 900 ग्राम के चंपकली हार सहित पारंपरिक शाही आभूषणों से अलंकृत किया गया। इसके साथ ही

बाजूबंद, हथफूल, कंठी और कमरबंद जैसे आभूषणों ने माता के स्वरूप को और अधिक दिव्य एवं भव्य बना दिया। रत्नों से जड़े इन आभूषणों ने राजसी परंपरा और कारीगरी की उत्कृष्ट झलक प्रस्तुत की। यह शोभायात्रा सिटी पैलेस की जनानी ड्योढ़ी से प्रारंभ होकर छोटी चौपड़ पहुंची तो उसकी भव्यता देखते ही बन रही थी। लवाजमे का एक छोर जहां छोटी चौपड़ था तो दूसरा छोर त्रिपोलिया गेट था। पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं ने कलश धारण कर मंगल गीतों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर गणगौर की सवारी का स्वागत किया गया। तालकटोरा में गणगौर को पानी पिलाया गया। रविवार को बुढ़ी गणगौर की सवारी निकाली जाएगी।

32 पारंपरिक लवाजमों

सुसज्जित भव्य सवारी:- इस बार 32 पारंपरिक लवाजमों की भव्य मौजूदगी ने सवारी को और भी आकर्षक बना दिया। सुसज्जित हाथी, ऊंट दल, घोड़े, विकटोरिया कैरिज और विभिन्न बैडों की धुनों के बीच पहली बार शामिल शंकर बैड ने खास आकर्षण पैदा किया। सवारी के गणगौरी बाजार पहुंचते ही पूरा इलाका मानो लोक उत्सव के चरम पर नजर आया। महोत्सव का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका लाइव प्रसारण भी रहा, जिसके माध्यम से देश-विदेश में बसे राजस्थानियों ने इस भव्य आयोजन को रियल टाइम में देखा।

रविवार को निकलेगी बुढ़ी गणगौर की सवारी:- अब रविवार को बुढ़ी गणगौर की शाही सवारी के साथ यह महोत्सव अपने अंतिम चरण में प्रवेश करेगा।



ईद-उल-फितर पर दिल्ली रोड स्थित ईदगाह पर ईद की नमाज अता करते अकीदतमंद।

दिव्यांग छात्रा को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश देने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट यूजी-2025 के दिव्यांग कोटे के मेरिट में आई छात्रा को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश देने को कहा है।

अदालत ने कहा कि यदि इस सत्र में सीट खाली नहीं है तो उसे साल 2026 के पाठ्यक्रम में सीट आवंटित की जाए। अदालत ने माना कि छात्रा वर्तमान में एम्स, दिल्ली में प्रवेश के लिए पात्र है। एक्टिंग सीजे जेजी प्रकाश शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता को खंडपीठ ने यह आदेश वैष्णवी अग्रवाल की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अपील में अधिवक्ता टीएन शर्मा ने अदालत को बताया कि अपीलार्थी की करंट लगने से दायें हाथ ही दो अंगुलियों में स्थिति दिव्यांगता आ गई थी। ऐसे में उसने दिव्यांग कोटे में नीट यूजी-2025 में आवेदन किया। उसने इस वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया, लेकिन प्रवेश के समय एम्सएम्स अस्पताल की मेडिकल कमेटी ने उसे यह कहते हुए अपात्र घोषित कर दिया कि वह दिव्यांगता के कारण मेडिकल संबंधी काम नहीं कर

अपीलार्थी की करंट लगने से दायें हाथ ही दो अंगुलियों में स्थिति दिव्यांगता आ गई ऐसे में उसने दिव्यांग कोटे में नीट यूजी-2025 में आवेदन किया। उसने इस वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया, लेकिन मेडिकल कमेटी ने उसे अपात्र घोषित कर दिया था

वहीं अदालती आदेश से दिल्ली के सरफदंग अस्पताल के मेडिकल बोर्ड ने अपीलार्थी का परीक्षण किया। इसके बाद बोर्ड की ओर से भेजे रिपोर्ट में अपीलार्थी को प्रवेश के पात्र माना गया। इस पर अदालत ने अपीलार्थी को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश देने के आदेश दिए हैं।

फसलों को हुए नुकसान पर लिया संज्ञान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान पर संज्ञान लेकर शुक्रवार देर रात सभी जिला कलेक्टरों को सर्वे करवाकर शीघ्र रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी जिला कलेक्टरों को सर्वे करवाकर शीघ्र रिपोर्ट भेजने के लिए निर्देश

किसानों की हर परिस्थिति में सहायता के लिए पूर्ण संवेदनशीलता के साथ तत्पर है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि किसानों की पीड़ा हमारी पीड़ा है। राजस्थान की समृद्धि का आधार हमारे अन्नदाता भाई-बहन हैं। संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ किसान भाइयों के साथ दृढ़तापूर्वक खड़ी है।

आईपीएस ज्येष्ठा मैत्रेयी ने संभाली सर्वाइ माधोपुर की कमान

जयपुर। राज्य सरकार के आदेशानुसार 2018 बैच की तेज तर्रार आईपीएस अधिकारी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने शनिवार को सर्वाइ माधोपुर जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पद का विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्थान पुलिस की प्राथमिकताएं ही सर्वाइ माधोपुर पुलिस की प्राथमिकताएं रहेंगी। उन्होंने कहा कि टाइगर अभियारण के लिए प्रसिद्ध सर्वाइ माधोपुर में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ पर्यटकों की सुरक्षा, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा तथा न्याय आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष फोकस रहेगा।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से महिला घायल

जयपुर। अमेर थाना क्षेत्र के सागर रोड पर शनिवार को तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जबकि स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को अस्पताल पहुंचाया और भागने का प्रयास कर रहे चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार कार तेज गति में थी, जिसके कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे जा रहा। महिला को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि महिला के हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। घायल महिला को पहले अमेर के राजकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सर्वाइ मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसका उपचार जारी है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर कार जब्त कर ली है और मेडिकल जांच सहित मामले को जांच शुरू कर दी है। ट्रैफिक नियमों की अनुदेखी के कारण आ एन दिव्य से होते रहते हैं।

एक करोड़ की फिरौती के लिए आईटी कंपनी के मालिकों का अपहरण

जयपुर। मुहाना थाना क्षेत्र में आईटी कंपनी के दो मालिकों के अपहरण का सनसनीखेड़ मामला सामने आया है। बदमाशों ने यूएसडीटी (क्रिप्टो) को निवेश के नाम पर बुलाकर दोनों में अपहरण कर लिया और परिजनों से 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी। हालांकि पुलिस की मुस्तैदी के चलते करीब ग्यारह घंटे बाद बदमाश दोनों को छोड़कर फरार हो गए। थानाधिकारी गुर भूपेन्द्र सिंह के अनुसार जगतपुरा निवासी राहुल और दिनेश मामरोवर स्थित इस्कॉन मंदिर के पास आईटी कंपनी संचालित करते हैं। 19 मार्च की शाम उन्हें कॉल कर यूएसडीटी में निवेश का झांसा दिया गया और मिलने के लिए बुलाया गया। शाम करीब 7 बजे पहुंचते ही 6-7 नकाबपोश बदमाशों ने दोनों को कार में बैठाकर अगवा कर लिया। बदमाशों ने अपहृत युवकों के मोबाइल से परिजनों को कॉल कर 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी और पैसे लेकर गोनर बुलाया। सूचना मिलते ही पुलिस ने कंट्रोल रूम के जरिए

- एक करोड़ की फिरौती मांग कर ग्यारह घंटे बाद छोड़ा
- यूएसडीटी निवेश के झांसे में बुलाया
- पुलिस दबाव में गलता के जंगलों में छोड़ भागे बदमाश

सक्रियता दिखाते हुए बदमाशों का पीछा शुरू किया। आरोपी गोनर, हिंगोनिया गौशाला, इंदिरा गांधी नगर, खो नागोरिया, कानोता और बस्सी होते हुए नायला व जामडोली के जंगलों में घूमते रहे। लगातार पुलिस दबाव के चलते बदमाश शुकुवार सुबह करीब 5:30 बजे दोनों को गलता के जंगल में कार सहित छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से कार जब्त कर ली है और एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं।

9000 वर्ग मीटर जमीन का केस हारा जेडीए

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने टॉक रोड पर एयरपोर्ट प्लाजा स्कीम के पास स्थित 9000 वर्ग मीटर जमीन के मामले में जेडीए की विशेष अपील को खारिज कर दिया है। वहीं खंडपीठ ने एकलपीठ के 6 अगस्त 2009 के आदेश में दखल से इनकार करते हुए उसे बरकरार रखा है। अदालत ने जेडीए को निर्देश दिया है कि वह राज्य सरकार के 12 मई 2003 व 19 मई 2003 के आदेश को तत्काल लागू करते प्रार्थी साई दर्शन होल्डर्स एंड मोटल्स के पक्ष में 9000 वर्ग मीटर जमीन का आवंटन करवा दे। जेडीए को दलीलों को अस्वीकार माना है। जेडीए ने माना कि राज्य सरकार अपने ही निर्णयों से पीछे नहीं हट सकती, खासकर तब जब संबंधित पक्ष ने उस पर भरोसा कर अपने मुकदमे वापस ले लिए हैं। प्रार्थी कंपनी ने अपनी तरफ

हाईकोर्ट ने आवंटन पत्र जारी करने के लिए निर्देश

से सभी मुकदमे वापस लेकर शॉर्ट पूरी कर दी थी। ऐसे में उन्हें 15 प्रतिशत विकसित भूमि देना न्यायसंगत होगा। जेडीए की ओर से दलील दी गई कि इस जमीन का आवंटन अवैध तरीके से हुआ है और और वे वैध हैं। ऐसे में जेडीए की अपील खारिज किए जाने योग्य है। खंडपीठ ने मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि कई सालों से इस जमीन का उपयोग जेडीए कर रहा है, जबकि मूल मालिकों या उनके उत्तराधिकारियों को उचित मुआवजा तक नहीं मिला। ऐसे में केवल कोर्ट में पैसा जमा कराना धुगतान नहीं माना जाएगा।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले दंत चिकित्सकों का सम्मान

जयपुर। इंडियन डेंटल एसोसिएशन जयपुर ग्रेटर ब्रांच द्वारा वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे 20 मार्च के अवसर पर इस वर्ष की थीम स्वस्थ मुंह, स्वस्थ जीवन पर होटल फोर् पॉइंट्स शोरेटोन में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें इस थीम को लेकर दंत स्वास्थ्य पर चर्चा की गई साथ ही दंत चिकित्सा में हुए नवाचारों के बारे में कार्यक्रम में उपस्थित शहर के दंत चिकित्सकों को जानकारी दी गई। इस अवसर पर दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दंत चिकित्सकों का सम्मान किया गया। राजकीय दंत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ प्रदीप जैन व डॉ विनय कुमार, डीन डॉटिस्ट्री डॉ मनोज अग्रवाल, राजस्थान डेंटल कौंसिल के अध्यक्ष डॉ एच एल गुप्ता, राजकीय जयपुरिया अस्पताल के दंत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ हरीश भारद्वाज, वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ अश्लेषा वाजिरवा व डॉ सीमा सोनी का प्रशंसा पत्र देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर डॉ पूजा गुप्ता, डॉ हिमांशु शर्मा, डॉ गोविंद, डॉ अंकिता बंसल व डॉ सारिका शोखावता का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर दंत चिकित्सकों द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में आने वाले चैलेंज के बारे में पैनल डिस्कशन किया गया।

वन राज्य मंत्री ने वन्यजीवों के त्वरित बचाव के लिए रेस्क्यू वाहनों को हरी झंडी दिखाई



एक पेड़ मां के नाम अभियान पर आधारित 'काफी टेबल' बुक का विमोचन किया।

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम वन एवं अर्थव्यवस्था रखी गई। कार्यक्रम के दौरान वन एवं वन्यजीव संरक्षण को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गईं। घायल वन्यजीवों के त्वरित बचाव के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से लैस 5 रेस्क्यू वाहनों को हरी झंडी दिखाई गई। साथ ही योजना के अंतर्गत खरीदी गई 460 मोटरसाइकिलों को भी फील्ड स्टाफ के लिए खाना किया

गया, जिससे दुर्गम क्षेत्रों में निगरानी कार्य सुगम होगा। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान पर आधारित काफी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए वनमित्रों को पेट्रोलिंग किट वितरित की गई। जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु परियोजना के अंतर्गत राजीविका के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे 600 गांवों के 1200 स्वयं सहायता समूहों को महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे। कार्यक्रम में डिजिटल प्लेटफॉर्म

के नए मॉड्यूल लॉन्च किए गए, जो वन्यजीव आवास निगरानी और कार्बन क्रेडिट प्रबंधन में सहायक होंगे। साथ ही की नई वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया, जिससे पर्यावरण स्वीकृति प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वनकर्मीयों को सम्मानित किया गया। मंत्री ने बताया कि 'हरियाली राजस्थान' योजना के तहत पिछले दो वर्षों में 19 करोड़ अर्थव्यवस्था प्रोत्साहित किया गया है। यह आयोजन वन संरक्षण, रोजगार सृजन और तकनीकी नवाचार को नई दिशा देने वाला साबित होगा।

मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर 2026 के ऑडिशन का आयोजन

जयपुर। प्रदेश के प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर 2026 के ऑडिशन का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें करीब 500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजक चिराग चौधरी और राकेश कुमार ने बताया कि ऑडिशन में 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग की प्रतिभागियों ने ब्लैक वन पीस ड्रेस कोड में भाग लिया। प्रतिभागियों ने मिमिक्री के जरिए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। चयनित सेमीफाइनलिस्ट्स के लिए तीन दिवसीय विशेष ग्रूमिंग वर्कशॉप आयोजित की जाएगी, जिसमें इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स द्वारा पोर्टफोलियो शूट, टैलेंट राउंड, योगा, मेडिटेशन, सेल्फ कॉन्फिडेंस और स्टाइलिंग से जुड़े पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 11 अप्रैल को जयपुर होगा। स्थित रामाज रिसेंट में आयोजित होगा। ऑडिशन के दौरान सुपर मॉडल ज्योति पुनिया, सीनियर मॉडल मिताली ज्यारल और सावित्री रिजेंट पुष्कर के जनरल मैनेजर जसवंत सिंह जुरी मेंबर के रूप में मौजूद रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया।

जेईसीआरसी में दो दिवसीय परिसंवाद राजस्थान ज्ञान सभा-208 आयोजित

जयपुर। राजस्थान में शिक्षा के परिदृश्य पर समग्र चर्चा के लिए दो दिवसीय परिसंवाद राजस्थान ज्ञान सभा- 2083 शनिवार को जेईसीआरसी विश्वविद्यालय परिसर में प्रारंभ हुआ। विकसित राजस्थान हेतु शिक्षा विषय पर आयोजित परिसंवाद का उद्घाटन करते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि हमारी शिक्षा मूल्य आधारित होनी चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में भी सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यही है। उन्होंने शिक्षा के साथ संस्कार के समावेश पर जोर देते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति को शिक्षा के विकास में भूमिका पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र में शिक्षा संस्कृति उद्यान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अनुल कोटारी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपराओं में अधिकतम सवालों के जवाब निहित हैं। राजस्थान और देश का भौतिक विकास केवल शिक्षा से ही संभव है। आयुक्त कालेज शिक्षा राजस्थान डॉ. ओपी बैरवा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य विकास करना है। भविष्य आधारित विकास के लिए शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का समावेश किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख सुनील सुखदेवभाई मेहता, वाईएस चैयरपर्सन जेईसीआरसी विश्वविद्यालय अमित अग्रवाल व



शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने 'विकसित राजस्थान हेतु शिक्षा' विषय पर आयोजित परिसंवाद का उद्घाटन किया।

प्रेसिडेंट जेईसीआरसी प्रो. विक्रम गंधी ने भी शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के तहत राजस्थान की शिक्षा में संस्कार व्यवस्था: समाज का मौन संधिधान- शिक्षा के माध्यम से सामाजिक मूल्यों एवं चरित्र निर्माण की भूमिका विषयक सत्र में अतिरिक्त मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा राजस्थान कुलदीप रांका ने मनुष्य जीवन में शिक्षा के आरंभ से लेकर वर्तमान तक के परिदृश्य पर बात करते हुए कहा कि नए विकास से पूरी संस्कृति प्रभावित होती है और तकनीक के चलते आगामी दिनों में रोजमर्रा के

महिलाओं ने की ईसर गणगौर की पारम्परिक पूजा

निवाड़ी। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में शनिवार को गणगौर पर्व पर नवविवाहिताओं व कुंवारी कन्याओं ने भारी उत्साह के साथ मंदिरों व घरों में ईसर गणगौर की परम्पारिक पूजा-अर्चना की। राजस्थानी संस्कृति को गौरवमय बनाते हुए इस पावन पर्व पर भी आधुनिकता हावी रही लेकिन परंपरा का भी खास ध्यान रखा गया। प्रतिदिन महिलाओं ने शिव पार्वती स्वरूप ईसर गणगौर की प्रतिमाओं की आस्था के साथ पूजा की।

महिलाएं व कन्याएं सामूहिक होकर गणगौर के गीत गाती हुई मंदिरों में पहुंचकर पूजा की। शनिवार को सुमन गुप्ता, अनिता गुप्ता, मोनिका, राधा, अनु, रश्मि, मेना, दीपा व सोनिया सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चानल सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयां बारस आया, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अधिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की सुहारा, शुद्ध

ईसर-गणगौर पर सजी आस्था की छटा

कोटा, (निर्स)। शनिवार को गणगौर पर्व पूरे उत्साह के साथ धूमधाम से शहर भर में मनाया गया। इस अवसर पर कोटा में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्रीनाथपुरम स्थित बी सेक्टर में तुलसा परिवार में ईसर-गणगौर पर्व बड़े ही हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर परिवार की गौरिनियों (महिलाओं) ने पूर्ण श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ गणगौर का विधिवत पूजन किया। पूरे परिवार में पारंपरिक गीतों, सोलह श्रृंगार एवं रंग-बिरंगी सजावट ने पर्व की भव्यता को और भी बढ़ा दिया। महिलाओं ने माता गौरी एवं भगवान ईसर से सुख-समृद्धि, अखंड सौभाग्य एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान वातावरण पूरी तरह भक्तिमय एवं उल्लासमय बना रहा। इस अवसर पर राजकुमारी गुप्ता, शोभा गुप्ता, भूमिका गुप्ता, श्वेता गुप्ता, र्षा जैन, नेहा गुप्ता सहित अनेक महिलाओं ने उत्सवपूर्वक सहभागिता निभाई। आयोजन के संयोजक सुरेंद्र गुप्ता एवं अमित गुप्ता के अनुसार, इस प्रकार के पारंपरिक आयोजनों से परिवार में सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण होता है तथा नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है।

वहीं ईसर गणगौर को धूमधाम से लकड़पूजा अर्चना महिला डाढ़ा पार्षनाथ सिटी भी ब्लॉक पार्क के पास बी-67 में स्थापित किया गया महिलाओं ने



कोटा में महिलाओं द्वारा उत्साह से गणगौर का पर्व मनाया गया।

पार्षनाथ सिटी में प्रतिदिन विंदोरा निकला और भजन-कीर्तन किये मान्यता है कि पार्वती जी की शादी होने के बाद व पहली बार पीहर आकर 16 दिन गणगौर पूजा की थी जब से मान्यता है की हर वर्ष इस मनाया जाता है। गणगौर पर्व हिंदू पौराणिक कथाओं से जुड़ा है और इसमें देवी पार्वती की भगवान शिव के प्रति भक्ति का उत्सव मनाया जाता है। कथाओं के अनुसार, पार्वती ने शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए धार तपस्या की और प्रेम, प्रतीक और वैवाहिक सामंजस्य की प्रतीक बन गईं। यह पर्व इन्हीं आदर्शों को दर्शाता है और नारी शक्ति, भक्ति और

समृद्धि का सम्मान करता है। पार्षनाथ सिटी की महिलाओं ने गणगौर की पूजा-अर्चना की और सुख समृद्धि की कामना की। गणगौर के पावन अवसर पर शहर में श्रद्धा और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। रामपुरा कोतावाली के पीछे से ईसर शिव भगवान और माता गौरी पार्वती की प्रतिमाओं का विधिवत नगर भ्रमण निकाला गया। ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक गीतों के साथ निकली इस शोभायात्रा में महिलाओं की विशेष भागीदारी रही। गणगौर राजस्थान का प्रमुख पारंपरिक त्यौहार है, जिसकी

शुरुआत होली के अगले दिन से होती है। होली की मिट्टी से ईसर-गौरी की प्रतिमाएं तैयार कर शीतला अष्टमी के दिन उनकी स्थापना की जाती है और 16 दिनों तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। अंतिम दिन गणगौर का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस अवसर पर महिलाओं और युवतियों ने सोलह श्रृंगार कर अपने सिर पर ईसर-गौरी की प्रतिमाएं धारण कर नगर भ्रमण में भाग लिया। पूरे मार्ग में भक्ति गीतों और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ वातावरण भक्तिमय बना रहा।

कटारिया ने भगवान शांतिनाथ के दर्शन कर आशीर्वाद लिया

रामगंजमंडी, (निर्स)। शहर में 21 मार्च शनिवार को प्रातः बेला में पंजाब और हरियाणा के राज्यपाल एवं राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे गुलाबचंद कटारिया रेल द्वारा रामगंजमंडी पहुंचे। रामगंजमंडी पहुंचने के उपरोक्त उन्होंने शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचकर मूलायक शांतिनाथ भगवान के दर्शन किए और प्रभु चरणों में नमन किया।

प्रभु चरणों के दर्शन उपरान्त कटारिया ने विद्यार्जन आचार्य श्री 108 निष्पक्ष महाराज के परम शिष्य एवम पूज्य आचार्य श्री 108 समयसागर महाराज के आज्ञानुज्ञे शिष्य पूज्य मुनिद्वय मुनि श्री 108 निष्पक्ष सागर महाराज एवं पूज्य मुनिश्री 108 निष्पक्ष सागर महाराज का मंगल आशीर्वाद लिया। वे अलसुबह ही गुरु चरणों से पहुंचे उनके चरणों में नमन किया मुनि द्वय ने उन्हें मधुर मुस्कान के साथ मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। कटारिया धर्मनिष्ठ व्यक्तित्व है संतो का मंगल आशीर्वाद लेने एवं उनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन लेने सदैव जाते रहते हैं। इससे पूर्व दिगंबर जैन समाज के कार्यक्रम में भी कटारिया वर्ष 2007 में हुए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के जन्म कल्याणक महोत्सव की बेला में रामगंजमंडी पधारे थे। तब वे राजस्थान सरकार के गृहमंत्री के पद पर आसीन थे।

‘समस्या को बढ़ाएं नहीं, छुपाएं नहीं, खुल कर बात करें’



कोटा में आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस में चिकित्सकों द्वारा यौन समस्याओं पर जानकारी दी गई है।

कोटा, (निर्स)। यौन चिकित्सा पर पहली बार राजस्थान में दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस का आगाज शनिवार को द फर्न एव इकोटेल हॉटल देवली अरब रोड कोटा में किया गया। आयोजन अध्यक्ष डॉ. वरुण त्यागी (दिल्ली) एवं आयोजन सचिव डॉ. अखिल अग्रवाल ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में देशभर के 200 के करीब विशेषज्ञ चिकित्सक शिरकत कर अपने विचार रखें और युवा चिकित्सकों ने वर्तमान परिपेक्ष में पति-पत्नी व पार्टनर के सम्बंध में आ रही यौन समस्या पर

खुलकर बात की। किसी ने यौन रोगों पर अपनी बात रखी तो किसी ने परस्पर सम्बंध को किस तरह से मजबूत किया जा सकता है, उस पर विचार रखें। मुंबई से आर्. डॉ. निलेश शह ने बताया कि हमें हमारे पार्टनर से सम्बंध बनाने में आ रही समस्या को खुलकर चिकित्सकों को बताना चाहिए, एन चिकित्सकों को बताया गया कि वह मरीज से किस तरह से बात करें, उन्हें विश्वास में और उनकी समस्या का समाधान सही रूप में करें। उन्होंने इच्छाशक्ति, रवैया, सही

गलत, फिजिकल रिलेशन, नौलेज और अभ्यास के विषय में जानकारी दी। डॉ. टीएसएस राव (मैसूर) ने बताया कि हमें विषय की जानकारी का अभाव है, उन्होंने फीमेल को हो रही समस्या की जानकारी दी और खुलकर बात करने की सलाह दी। साथ ही युवा पीढ़ी में बढ़ते सम्बंध और सम्बंधों का टूटना क्यों हो रहा है, इस विषय के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही वर्तमान में आ रही दवाएं, जांच, नई तकनीक, मशीनें और सरकार द्वारा क्या किया जाना चाहिए, इसकी जानकारी दी।

सार-समाचार

अवैध हथियारों सहित आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निर्स)। आरकेपुरम पुलिस टीम ने मुखबीर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए अवैध हथियारों सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने आरोपी के पास से दो अवैध देशी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस सहित एक खाली कारतूस बरामद किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वी गौतम ने बताया कि अवैध हथियारों की तस्करी व तस्करी को धरपकड़ के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है, इसके तहत शहर के समस्त थानाधिकारियों को टीम गठित कर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। आरकेपुरम थानाधिकारी सिद्धांत श्रीवास्तव (आईपीएस प्र.) ने बताया कि आरकेपुरम थाने के सहायक उपनिरीक्षक खेमचन्द चौधरी मय जापता इलाके में गस्त कर रहे थे, पुलिस टीम को गस्त के दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि एफसीआई गोदाम के पीछे एक व्यक्ति अवैध हथियारों के साथ वारदात करने की फिराक में घुम रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मुखबीर द्वारा बताये गये हलिये के आधार पर मौजूद व्यक्ति को मौके पर डिटेन कर तलाशी ली। पुलिस टीम ने तलाशी के दौरान उसके पास से दो अवैध देशी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस एवं एक खाली कारतूस बरामद किया। पुलिस टीम ने मौके पर आरसी एफ्ट में कार्यवाही करते हुए हनुमान कच्ची बस्ती थाना कुन्हाडी निवासी प्रवीण उर्फ पवन (27) को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

दीगोद मंडल में सुपोषित माँ अभियान के तहत किट वितरित

कोटा, (निर्स)। स्वास्थ्य और पोषण के प्रति सामाजिक सरोकार निभाते हुए सांगोद विधानसभा क्षेत्र के दीगोद मंडल में सुपोषित माँ अभियान के अंतर्गत पोषण किट वितरित किए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बित्राला की प्रेरणा तथा ऊर्जा मंत्री हीरालाल नगर के मार्गदर्शन में क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को रह माह पोषण किट दिए जाते हैं। अभियान के तहत दीगोद मंडल की सात ग्राम पंचायतों दीगोद, मूंडला, डूंमारज्या, कोटसुआं, नीमोदा, सारोला और अमरपुरा की लगभग 150 गर्भवती महिलाओं को किट प्रदान किए गए। इस किट में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक पौष्टिक आहार और सामग्री शामिल है। जिसका उद्देश्य माता और शिशु दोनों को कुपोषण से बचाना और एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने बह-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य रमेश गोवर, राजनीता मेघवाल, लाभचंद गोचर, देवकीनंदन दाधीच, लोकेश मेघवाल और सुनीता मेहरा सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

सघन टिकट जांच अभियान में 120 प्रकरणों में 35,350 की वसूली

कोटा, (निर्स)। ट्रेनों में यात्रा के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्री एवं ट्रेने व प्लेटफार्म पर घुम रहे अवैध वेंडरों के खिलाफ नियमित कार्यवाही के लिये रेलवे की ओर से कोटा रामगंजमंडी-भवानीमंडी सेक्शन में सघन टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों एवं अवैध वेंडरों के विरुद्ध व्यापक कार्यवाही की गई। बरिष्ठ मंडल बाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि इस विशेष अभियान में कुल 120 प्रकरण दर्ज किए गए, जिसमें कुल 35,350 की वसूली की गई। अभियान में शामिल मुख्य टिकट जांच स्ट्याफ में लक्ष्मीकांत मीना (मुख्य टिकट निरीक्षक), दीपक शर्मा (उप मुख्य टिकट निरीक्षक), विष्णु कुमार, हेमैंद्र मीना एवं उमेश कुमार (वाणिज्य टिकट निरीक्षक) ने रेलवे सुरक्षा बल के मंजीत चौधरी एवं मुनेश कुमार मीना के साथ मिलकर प्रभावी कार्यवाही की।

सूने मकान से नकदी व गहने चोरी

कोटा, (निर्स)। नान्ता थाना इलाके में सूने पड़े मकान को अज्ञात चोर ने निशाना बनाते हुए घर में रखी नकदी व गहनों पर हाथ साफ कर दिया। जानकारी के अनुसार नान्ता क्षेत्र के सुखाडिया आवासीय योजना निवासी गुड्डेई पूरे परिवार सहित गमी में कोटा से बाहर जयपुर गई थी, पीछे से अज्ञात चोरों ने मकान में हाथ साफ कर दिया। पड़ोसीयों ने मकान का ताला टूटने की सूचना पीड़िता को फोन पर दी, सूचना पर पीड़िता परिवार सहित कोटा पहुंची और मकान के अंदर देखा तो पूरा सामान बिखरा हुआ पड़ा था, मकान में चोरी की सूचना नान्ता पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया, नान्ता थाने के ईंचार्ज दुर्गालाल ने बताया कि पीड़िता गुड्डेई ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में कहा कि वह गमी में जयपुर गई हुई थी, पीछे से सूने मकान में चोरी हो गई, पीड़िता ने रिपोर्ट में करीब डेढ़ लाख रुपये नकद व सोने चांदी के जेवरार चोरी होने की रिपोर्ट दी है, पीड़िता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है।

यूजीसी कानून के विरुद्ध प्रादेशिक सैवारत वैश्य संस्था की बैठक आज

कोटा, (निर्स)। प्रादेशिक सैवारत वैश्य संस्था के तत्वावधान में यूजीसी द्वारा लागू किए जा रहे नए नियमों को लेकर रजि्वार को आपात बैठक आयोजित की है। संस्था के प्रदेश अध्यक्ष हुकुमचंद मंगल ने बताया कि केंद्र सरकार और यूजीसी की वर्तमान नीतियों से सवर्ण समाज के युवाओं के भविष्य और उनके शैक्षणिक अधिकारों पर गहरा संकट मंडरा रहा है। इन विनियमों के कारण आने वाले समय में समाज की प्रतिभाओं को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। जिसके विरुद्ध अब सामूहिक आवाज उठाना अनिवार्य हो गया है। इसी संदर्भ में रजि्वार को सार्यकाल 4 बजे जवाहर नगर थाने के सामने एक विशेष सभा आहूत की गई है। मंगल ने कहा कि यह समय आपसी मतभेदों को भुलाकर समाज के व्यापक हित में एक साथ खड़े होने का है। उन्होंने संपूर्ण सवर्ण समाज को इस बैठक में सादर आमंत्रित करते हुए कहा कि हमारी एकजुटता ही सरकार को इन नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए विवश कर सकती है। बैठक में विरोध की आगामी रणनीति और आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

भगवा स्वरूप में मार्ग और चौराहे सजा कर हिंदू नववर्ष का अभिनंदन हुआ

कोटा, (निर्स)। हिंदू नववर्ष आयोजन समिति, कोटा महानगर के तत्वावधान में आयोजित पंचदिवसीय कार्यक्रमों के समापन पर शनिवार को कोटा महानगर में विराट भगवा वाहन रैली निकली। रैलियों में डीजे की धुन, भारत माता, भगवान श्रीराम, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, बाबा साहब अंबेडकर और लव जिहाद सहित अनेकों झांफिरां रहीं और हिंदू सहभागी भगवा दुपट्टा, भगवा झंडी और भगवा साफा धारण कर सम्मिलित हुए।

भगवा रैली संयोजक युधिष्ठिर सिंह ने बताया कि कोटा की 500 से अधिक छोटी-बड़ी बस्तियों से सर्व हिंदू समाज के नागरिक अपने-अपने वाहनों से निकले और अपने नगर की टोलियों में सम्मिलित हुए। एक प्रकार 12 नगरों की टोलियों अपने-अपने एकत्रीकरण स्थल पर पहुंचीं। सभी चार एकत्रीकरण स्थलों से सयं 4 बजे के लगभग यह रैलियां टोलेस्वर मंदिर चौराहे की ओर बढ़ीं और लगभग पांच बजे टोलेस्वर चौराहे पर महासंगम करते हुए, जड़ के बालाजी वरधार मंदिर पहुंचकर हनुमान चालीसा के साथ सम्पन्न हुईं।

स्वागत द्वारों और पुष्पांजलियों द्वारा रैली का अभिनंदन किया गया

रैली में भारत माता की जय, वंदे मातरम्, जय श्रीराम, एक ही नारा, एक ही नाम-जय श्रीराम, जय श्रीराम के नारे गुंज रहे थे। वहीं डीजे पर "धर-धर भगवा छाएगा", "मुझे भाया भगवा रंग", हिंदू हैं हम हिंदू की बात करेंगे जैसे जोशिले भजनों पर युवाशक्ति झूमते हुए आगे बढ़ती रही। समापन कार्यक्रम में जड़ के बालाजी प्रांगण में मंचस्था गोदावरी धाम की महामंडलेश्वर साध्वी हेमा सरस्वती, महंत प्रीतमराम स्नेही, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चित्तौड़ प्रांत कार्यवाहक शंकर लाल माली, समिति के अध्यक्ष गोविन्द नारायण अग्रवाल, महामंत्री डा.बाबूलाल भाट रहे वहीं मंच संचालन रैली संयोजक युधिष्ठिर सिंह हाड़ा ने किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाहक शंकर लाल माली ने कहा

कि जब-जब देश की सज्जन शक्ति, एकजुट होकर प्रगट हुई है तब-तब परिणाम पक्ष में आए हैं। उन्होंने कहा कि देश की सज्जन शक्ति को हमेशा देशहित के साथ खड़े होने की आदत डालनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि युगों-युगों से चली आ रही हमारी सनातन संस्कृति है। जब भी देश की सज्जन शक्ति ने एक होकर के समस्या का समाधान चाहा, हल हुआ। उन्होंने कहा कि सज्जनशक्ति के शक्ति प्रादीकरण से साईन बोर्ड मसला हल हुआ, अयोध्या में भगवान श्रीराम का दिव्य मंदिर निर्माण हुआ, रामसेतु को तोड़ने का षडयंत्र विफल हुआ, धर्म पूछ करके गोली मारने वालों को सबक सिखाने के लिए सरकार को प्रेरित किया। देश की सज्जन शक्ति जब-जब जागती है तब तब उसने परिणाम प्राप्त किया है। देश की सज्जन शक्ति का देश के साथ जुड़ाव बहुत जरूरी है।

गोदावरी धाम की महामंडलेश्वर हेमा सरस्वती ने हिंदू समाज को एक जुट होकर षडयंत्रों को विफल करने का आह्वान किया। भगवा रैली संयोजक की युधिष्ठिर सिंह ने आह्वान किया कि जड़

रामगंजमंडी में हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ ईद-उल-फितर का त्यौहार मनाया

रामगंजमंडी, (निर्स)। रामगंजमंडी उपखण्ड क्षेत्र में शनिवार को रमजान के पवित्र महीने की समाप्ति के बाद ईद-उल-फितर का त्यौहार पूरे हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। इस खास मौके पर मुस्लिम समुदाय ने सुबह-सुबह ईदगाह में एकत्र होकर विशेष दो रक़ात नमाज अदा की और खुदा से मुल्क में अमन-चैन, बरकत और तरक्की की दुआएं मांगी। शहर में भी ईद की मुख्य नमाज जुलमी रोड स्थित ईदगाह पर अदा कराई गई।

ईदगाह पर सभी उत्साह के साथ सुबह 9.00 बजे नमाज अदा करने पहुंचे। ईदगाह स्थल नमाजियों से खचाखच भर गया। जहां हजारों

खुदा से मुल्क में अमन-चैन, बरकत और तरक्की की दुआएं मांगी

अकीदतमंदों ने सामूहिक नवाज अदा की और एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। जिसके बाद कब्रिस्तान में अपने पूर्वजों की कब्र पर फूल अर्पित कर फातिहा पढ़ी और मगफिरत की दुआएं की।

वहीं हिंदू भाईयों ने भी अपने मुस्लिम भाईयों को ईद की मुबारकबाद दी। उपर खैराबाद में भी ईद.उल.फितर का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया

गया। खैराबाद रमजान के पाक महीने के बाद मुस्लिम समुदाय ने शनिवार को खैराबाद में ईद.उल.फितर का त्यौहार उत्साह और अकीदत के साथ मनाया। ईदगाह में सुबह से ही नमाजियों की भीड़ दिखी, जहां ईद की नमाज अदा कर लोगों ने अल्लाह सेदेस. समाज में सुकून और भाईचारे की दुआएं मांगी। खैराबाद में मुख्य नमाज ईदगाह पर सुबह 8.30 बजे अदा की गई जहां पेश इमाम हाफिज मोहम्मद इरशाद ने नमाज अदा कराई। वहीं जामा मस्जिद में भी ईद की नमाज पढ़ी गई जहां पेश इमाम हाफिज कारी आरिफ राजा ने नमाज अदा कराई।

ईद की नमाज के बाद सभी मुस्लिम

भाईयों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी उसके बाद मुस्लिम भाई कब्रिस्तान गए जहां अपने गुजरें हुए परिजनों की मगफिरत के लिए फातिहा पढ़ी गई। ईद के मौके पर खैराबाद के गली-मोहल्लों में खास रौनक देखी गई। बच्चे जवान नए कपड़ों में दिखे, जबकि बाजारों में मिठाईयों, सेवई और फिरनी आदि की दुकानों पर भीड़ रही। घरों में परिवारों ने विशेष ईद की दावत का आयोजन कर रिश्तेदारों और पड़ोसियों को साथ बुला कर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। ईद का यह त्यौहार ने केवल रोजों के परिणाम के रूप में खुशी, बल्कि समाज में मोहब्बत, भाईचारे और सहयोग का संदेश भी देता है।

ईद का जश्न-खुदा की बारगाह में झुके सिर, अमन-चैन की दुआएं

कोटा, (निर्स)। रमजान के पाक महीने के बाद कोटा शहर में ईद उल फितर मनाया गया। किशोपुरा स्थित मुख्य ईदगाह में नमाज अदा की गई। शहर काजी जुबैर अहमद ने ईद की नमाज अदा कराई। इस दौरान हजारों की तादाद में मुस्लिम समाज के लोग ईद की नमाज अदा करने पहुंचे। सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी।

कांग्रेस नेता पहुंचे, अमन-चैन की कामना की इस दौरान कांग्रेस नेता विधायक शांति धारीवाल, प्रहलाद गुंजल सहित पूर्व अध्यक्ष रविंद्र त्यागी पीसीसी मंबर अमित धारीवाल शिवकांत नंदवाना पूर्व अल्पसंख्यक अध्यक्ष आबिद काजी की मोहम्मद जफर निवर्तमान पार्षद सलीना शेरी रफीक मोहम्मद ऑल इंडिया मोबल कांफ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष हाजी अब्दुल रज़ाक अंसारी कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मुस्लिम समाज के लोगों के गले मिलकर बधाईयां दी। सिटी एस्प्री भी



कोटा में ईद उत्साह के साथ मनाई गई।

मौके पर मौजूद रहे। शहर काजी जुबैर अहमद ने सभी को ईद की बधाई थी। उन्होंने कहा ईद खुशियों का नाम है। किसी भी मजहब-

कौम में कोई त्यौहार आता है तो वो के खुशियां लेकर आता है। ईसानियत के लिए यह बहुत जरूरी है कि हम एक-दूसरे के प्यारसा व जरूरत को समझे।

समाज के अंदर बुराईयों से बचाने वाले परिवार ज्यादा होंगे, तो समाज तरक्की करेगा। जब समाज तरक्की करता है तो देश तरक्की करता है।

सार-समाचार

जयबाबा जी का 121वाँ जन्मोत्सव आज

कोटा, (निर्स)। दादाबाड़ी स्थित निजधाम आश्रम ट्रस्ट द्वारा जयबाबा जी का 121वाँ जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से 22 मार्च को मनाया जाएगा। आयोजन की तैयारियों के लिए बैठक हुई जिसमें समाज के गणमान्य एवं जयबाबा प्रेमी उपस्थित रहे। ट्रस्ट के मुख्यालय जयसवानी व दर्शन कवलानी ने बताया कि सुबह 7.30 बजे धर्म ध्वजा फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत होगी एवं भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जो शास्त्री नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए निजधाम आश्रम पर सम्पन्न होगी एवं आश्रम पर श्री जगत मंदिर पार्टी द्वारा सस्तेग कीर्तन होगा। निजधाम आश्रम ट्रस्ट के कल्पित रोहिड़ा ने बताया कि शाम 5.30 बजे चकरवाटा के संत कृष्णदास द्वारा संगीतमय सतसंग प्रवचन होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बित्राला जी रहेंगे, विशिष्ट अतिथि कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा रहेंगे। पूज्य सिंधी जनरल चंचायत के अध्यक्ष ओम आडवाणी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। संत कैवरराम धर्मशाला के अध्यक्ष गिरधारी लाल पंचवानी ने बताया कि कोटा महानगर में जयबाबा जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। जन्मोत्सव को लेकर प्रेमियों में उत्साह का माहौल है और तैयारियां जोरों पर हैं। जन्मोत्सव में निजधाम आश्रम ट्रस्ट, जयबाबा युवा मण्डल एवं महिला मण्डल आयोजन की तैयारियों में जुटा हुआ है।

हर्षोल्लास व उत्साह से मनाई ईद

छबड़ा (निर्स)। कस्बे में शनिवार को इंदुल फ़ित्र का त्यौहार हर्षोल्लास व उत्साह से मनाया गया, शनिवार को सुबह 8.15 बजे क़स्बे की ईदगाह में ईद उल फ़ितर की नमाज शहरकाजी मौलाना इज़हार हुसैन क़ासमी ने अदा करावई। वहीं सुबह 8.15 बजे ईदगाह में ईद का चैंद नज़र आने बाद नवाबी काल की परंपरा के अनुसार 7 तोपों की सलामी दी गई। ओकाफ़ कमेटी के सदर साहिब खान व प्रवक्ता इक़बाल बुलंद ने बताया कि क़स्बे में शनिवार को इंदुल फ़ित्र का त्यौहार हर्षोल्लास व उत्साह से मनाया गया। क़स्बे की ईदगाह पर सुबह 8.15 बजे ईदगाह पर शहर काजी मौलाना इज़हार हुसैन ने ईद की नमाज अदा करावई। नमाज के बाद मुल्क में अमन चैन, मुल्क की सलामती के लिए दुआएं मांगी गईं, वहीं भाईचारे से ईद मनाने का आ न किया गया, इसके बाद लोगों ने एक दूसरे से गले लगर ईद की मुबारकबाद दी तथा छोटे बच्चे को ईदी दी गई। वहीं कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने भी ईदगाह पहुंच कर मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की मुबारकबाद पेश की, बाद में युवाओं ने सेवइयां बनाकर एक दूसरे को खिलाईं, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों व राजनीतिक दलों के लोगों ने भी हिस्सा लिया।

रामेश्वर अहीर युवा जिलाध्यक्ष बने

छबड़ा (निर्स)। अखिल भारतीय यादव महासभा ने छबड़ा निवासी रामेश्वर अहीर को बारां जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। जिला अध्यक्ष की नियुक्ति पर रामेश्वर ने शीघ्र नेतृत्व एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेंद्र यादव, प्रदेश अध्यक्ष अरविंद यादव, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र यादव का हृदय की गहराइयों से बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा यह दायित्व भरे लिए पद नहीं बल्कि राष्ट्र सेवा समाज सेवा का संकल्प है। मैं संपन्न की विचारधारा एवं निष्ठा से शालन करूंगा।

विश्व डाउन सिंड्रोम डे मनाया

कोटा, (निर्स)। विश्व डाउन सिंड्रोम डे के अवसर पर, एक पहल चार्ड्ड डेवलपमेंट सेंटर, श्रीजी हॉस्पिटल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ.नीता जिंदल ने बताया कि डाउन सिंड्रोम का इलाज दवा, ऑक्सीपेशनल थेरेपी, फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी और स्पेशल एजुकेशन जैसी विविध विधियों से संभव है। एक पहल चार्ड्ड डेवलपमेंट सेंटर श्रीजी हॉस्पिटल में डाउन सिंड्रोम, सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज़्म, हाइपरएक्टिव चार्ड्ड, डेवलपमेंट डि्ले जैसी समस्याओं का अनुभवपूर्ण टीम द्वारा एक ही स्थान पर उपचार किया जाता

है। वर्ल्ड ऑटिज़्म अवेयरनेस डे के अवसर पर, श्रीजी हॉस्पिटल, रोड नंबर 5 पर, 5 अप्रैल को एक निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा, जहां सुबह 10 बजे से 2 बजे तक ऑटिज़्म स्क्रीनिंग, आई, ईएनटी, डेंटल, डायटिशियन, स्पीच थेरेपी, ऑक्सीपेशनल और फिजियोथेरेपी जाँच एवं मूल्यांकन मुफ्त की जाएगी।

खोया पाया
गीता देवी पत्नी.जयशंकर चौबे
मकान नंबर 1-एल-34 महावीर
नगर तृतीय का ट्रांसफर लेटर
गुम हो गया है किसी को मिलने
पर सूचित करें।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

क्र.मां	प्राधिकृत अधिकारी का नाम	धारा सं.	क्षेत्रफल (एनपीएच)	क्षेत्रफल (हेक्टे.)	
1.	राजगौर, लक्ष्मण (कोटा)	SANJEEV MEWARA S/O JAGDISH MEWARA HISSA PURNA CASTE-KALSH SA. LADPURA, KOTA, KHATEDAR	598/483 599/484 601/486 604/487	400 379 200 1000	0.04 0.379 0.02 0.1
			606/488 607/492 610/563 612/564 614/565 616/570 617/571 619/572	900 385 900 1100 500 800 21	0.09 0.385 0.09 0.11 0.05 0.08 0.01
			622/573 624/574 625/575	1400 1000 15	0.14 0.1 0.0015
				कुल	0.91



पूर्व भारतीय क्रिकेटर और दिग्गज कमेंटेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने रंगभेद का आरोप लगाते हुए का कमेंट्री पैनल छोड़ दिया है। मैं के लिए कमेंट्री से संन्यास ले रहा हूँ।
-दिग्गज कमेंटेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन

दिग्गज कमेंटेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने आरोप लगाया।



आज का खिलाड़ी



लॉकी फर्ग्यूसन

ऑकलैंड के इडेन पार्क स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 136 रन बनाए। 137 रन का टारगेट न्यूजीलैंड ने 16.2 ओवर में दो विकेट पर हासिल कर लिया। टॉम लैथम 63 रन बनाकर नाबाद लौटे। वहीं, लॉकी फर्ग्यूसन ने अपने कोटे के चार ओवर में 9 रन देकर एक विकेट लिया। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 137 रन का टारगेट न्यूजीलैंड ने 16.2 ओवर में दो विकेट पर हासिल कर लिया।

राष्ट्रदूत कोटा, 22 मार्च, 2026

5

क्या आप जानते हैं?... आईपीएल इतिहास (2008-2025) के प्रमुख रिकॉर्ड्स में विराट कोहली सबसे ज्यादा रन (8000), रोहित शर्मा/धोनी सबसे सफल कप्तान, और मुंबई-चेन्नई (5-5 खिताब) सबसे सफल टीमों हैं।

रेनबो स्टार्स ने जीता 5वां एजीईएस क्रिकेट टूर्नामेंट

जयपुर, 21 मार्च 2026। जयपुर में आज उत्साह और खेल भावना के साथ फोर स्क्वेयर के सहयोग से एसोसिएशन ऑफ गारमेट एक्सपोर्टर्स (एजीईएस), जयपुर द्वारा 5वें वार्षिक क्रिकेट इवेंट 2026 का आयोजन जयपुरिया क्रिकेट अकादमी प्राइंड पर किया गया।

इस आयोजन में गारमेट एक्सपोर्ट इंडस्ट्री से जुड़े सदस्यों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन दलपत लोढ़ा और राजीव दीवान के संरक्षण में हुआ और कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष आरिफ कागज़ी एवं महासचिव मोनु करनानी उपस्थित रहे।

इस क्रिकेट टूर्नामेंट में चार टीमों ने हिस्सा लिया, इको वॉरियर्स - कप्तान: अखिलेश हर्षा (एम/एस कागज़ी एक्सपोर्टर्स); कुबेर वॉरियर्स - कप्तान: जितेंद्र सिंह शेखावत (एम/एस कुबेर इंडस्ट्रीज); लोढ़ा लायंस - कप्तान: शुभांक लोढ़ा (एम/एस लोढ़ा इम्पेक्स); रेनबो स्टार्स - कप्तान: देवेंद्र सिंह शेखावत (एम/एस रेनबो टेक्सफैब प्रा. लि.)। फाइनल मैच के मेंन ऑफ द मैच, हिमांशु



कांकरिया रहे; मेंन ऑफ द सीरीज़। हिमांशु कांकरिया टूर्नामेंट के बेस्ट बॉलर रघु राज राणा, बेस्ट बैट्समैन अखिलेश हर्षा, बेस्ट फ़ील्डर जितेंद्र सिंह शेखावत रहे। टूर्नामेंट

में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का उत्साह बढ़ाया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य उभरते हुए व्यवसायियों के बीच संवाद और

सहयोग को बढ़ावा देना तथा उद्योग में आपसी संबंधों को मजबूत करना रहा। इवेंट के मुख्य प्रायोजक फोर स्क्वेयर श्रेड्स, जयपुर थे।

जयपुर पोलो सीजन 2026

जयपुर को हराकर टीम जयगढ़ बनी आरपीसी कप की विजेता

जयपुर, 21 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत शनिवार को राजस्थान पोलो क्लब टाउंड पर आरपीसी कप (आउट ऑफ हेट) टूर्नामेंट का रोमांचक फाइनल खेला गया। इस टक्कर में टीम जयपुर और टीम जयगढ़ के बीच मुकाबला हुआ। मुकाबले में टीम जयगढ़ ने 9-6 के स्कोर के साथ टीम जयपुर को हराकर कप अपने नाम कर लिया।

विजेता टीम जयगढ़ से रणशेख पुरोहित, अश्विनी शर्मा और विक्रमादित्य सिंह बरकाना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रत्येक ने 3-3 गोल हासिल किए। टीम से शुभम गुप्ता भी खेले। दूसरी ओर, टीम जयपुर से तरुण बिलवाल ने 2 गोल किए। वहीं, रघुराम हरि और दिव्यमान सिंह दूजोद ने 1-1 गोल हासिल किया। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में नरेंद्र सिंह-योगेंद्र सिंह भी शामिल रहे। यहां टीम जयपुर को 2 गोल का एडवॉंटेज भी प्राप्त हुआ।



आकाश दीप 2026 से बाहर हुए: के पेसर इंजरी के कारण नहीं खेलेंगे; मेगा ऑक्शन में एक करोड़ में खरीदा था

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स को 2026 से पहले एक और झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। शनिवार को क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज को फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की।

29 साल के बंगाल के इंस गेंदबाज को पिछले साल अबू धाबी में हुए मेगा ऑक्शन में 1 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर टीम ने खरीदा था। हालांकि, वह अब तक टीम कैप से नहीं जुड़े हैं। आकाश दीप बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सप्लोस में रिहैब कर रहे हैं। उनकी चोट किस तरह की है, यह साफ नहीं हो सका है, लेकिन मैनेजमेंट और फ्रेंचाइजी के बीच इसको लेकर बातचीत हुई है। केकेआर के लिए यह चिंता बढ़ाने वाली खबर है, क्योंकि इससे पहले हार्थित राणा और मधोशा पथिराना को लेकर भी टीम को अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। पथिराना को अभी श्रीलंका क्रिकेट से क्लियरेंस मिलना

बाकी है। टीम ने 18 मार्च से कोलकाता में कैप शुरू किया है, लेकिन आकाश दीप इसमें शामिल नहीं हो पाए।

श्रीलंका के तेज गेंदबाज मधोशा पथिराना भी चोट के कारण फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि उन्हें रिप्लेस नहीं करना चाहती क्योंकि फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि वे के दौरान किसी समय टीम से जुड़ सकते हैं। मेगा ऑक्शन में पथिराना को 18 करोड़ रुपये में खरीदा था। सोमवार को उनके मैनेजर ने जर्सी में उनकी तस्वीर साझा की, जिससे उनके टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद बढ़ गई है। 13 मार्च को ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरवानो को अपने साथ जोड़ा था। फ्रेंचाइजी ने उन्हें बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्ताफिज़ुर रहमान के रिप्लेसमेंट के रूप में साइन किया है। रहमान को के निर्देश के बाद फ्रेंचाइजी ने रिलीज कर दिया था।

एशिया कप की तर्ज पर शुरू हो रहा है नया क्रिकेट टूर्नामेंट

नई दिल्ली। एशिया कप की तर्ज पर यूरो नेशंस कप टूर्नामेंट होगा, जिसमें इंग्लैंड, आयरलैंड आदि टीमों खेलेंगी। क्रिकेट आयरलैंड के चैयरमैन ब्रान्यन मैकनीस ने भरोसा जताया कि 2027 तक ये टूर्नामेंट शुरू हो जाएगा, जो पुरुष और महिला कैटेगरी में खेला जाएगा। शुक्रवार को आयरलैंड के 2026 के घरेलू इंटरनेशनल मैचों की घोषणा करते हुए मैकनीस ने कहा कि वह इसे लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित हैं।

यूरो नेशंस कप क्षेत्रिय क्रिकेट के विकास के लिए महत्वपूर्ण होगा, जैसे एशिया कप में एशिया की टीमों खेलती हैं, इसी तरह यूरो नेशंस कप में यूरोप की टीमों खेलेंगी। इसमें इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, इटली, नीदरलैंड्स आदि टीमों खेल सकती हैं। मैकनीस ने बताया कि वह इस आईडिया को लेकर उत्साहित हैं और पिछले साल उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों के सामने इसे रखा था।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड इस प्रस्ताव से जुड़ी हाल कि चर्चाओं में शामिल नहीं रहे। ब्रान्यन मैकनीस ने कहा, "कई समय से अलग-अलग लोगों के साथ मैं इस पर चर्चा कर रहा हूँ, ये ऐसा आईडिया है, जिस पर मुझे भरोसा है और इसे लेकर मैं बहुत उत्साहित भी

हूँ, बातचीत आगे बढ़ रही है और मुझे पूरा भरोसा है कि यह टूर्नामेंट जरूर होगा।" उन्होंने उम्मीद जताई कि 2027 की गर्मियों में ये टूर्नामेंट जरूर शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा, "इसके फॉर्मेट और अन्य जानकारियां भी आने वाले दिनों में बताई जाएंगी।" मैकनीस ने भरोसा जताया कि अगले कुछ महीनों में इसका आधिकारिक एलान हो जाएगा। उन्होंने कहा, "टूर्नामेंट से जुड़े अलग-अलग संगठनों और लोगों के साथ चर्चाएं हो रही हैं, मैं साफ कर दूँ कि ये पुरुष और महिला इवेंट होगा, ब्रॉडकास्टर्स के नजरिए से अभी इस पर बात

करना जल्दबाजी होगी, जब तक कुछ पक्का न हो जाए, कुछ कड़ना जल्दबाजी होगी।" उन्होंने उम्मीद जताई कि ब्रॉडकास्टर्स इसमें दिलचस्पी दिखाएंगे। शुक्रवार को क्रिकेट आयरलैंड ने यूई और नेपाल क्रिकेट एसोसिएशन के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट किया। इसके तहत आयरलैंड की पुरुष नेशनल क्रिकेट टीम नियमित तौर पर यूई और नेपाल के साथ वाइट बॉल सीरीज खेलेंगी। वहीं 2026-2027 से इंटरनेशनल लीग टी20 में हर फ्रेंचाइजी को आयरलैंड के कम से कम एक प्लेयर को शामिल करना होगा।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सुदर्शन मीणा ने राजस्थान का नाम किया रोशन

बूंदी। जिले के लिए गौरव का क्षण तब आया, जब 19 से 21 मार्च तक ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित 24वीं नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बूंदी के प्रतिभाशाली खिलाड़ी सुदर्शन मीणा ने 'गोलाफेक' स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर दिया। देशभर के 18 राज्यों से आए खिलाड़ियों की कड़ी प्रतियोगिता के बीच सुदर्शन मीणा ने 12.30 मीटर दूर गोला फेंककर शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। शुरुआत से ही उन्होंने अपनी तकनीक, संतुलन और आत्मविश्वास का भावपूर्ण प्रदर्शन किया, जिससे वे लगातार बढ़ त बनाए रखते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाने में सफल रहे। जिला खेल अधिकारी हर्षवर्धन सिंह ने बताया कि सुदर्शन वर्तमान में खेल संकुल में अल्पकालिक पैरा एथलेटिक्स प्रशिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

महावीर स्कूल एलुमनी एसोसिएशन द्वारा खेल महोत्सव आज

जयपुर। महावीर स्कूल एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला के अनुसार 22 मार्च को महावीर स्कूल प्रांगण में होने वाले खेल महोत्सव में लगभग 200 खिलाड़ी तथा 500 एलमुनाई भाग लेंगे।

यह अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता होगी इसमें सेंट जेवियर स्कूल, महेश्वरी स्कूल, विद्याश्रम एवं महावीर स्कूल के एलमुनाई के बीच में क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस तथा चैस की प्रतियोगिता खेली जाएगी। संस्था केसचिव डॉक्टर साकेत माधुर ने प्रतियोगिता सुबह 8:00 से शुरू हो जाएगी तथा उद्घाटन में मुख्य अतिथि महत्मा ज्योति राव फुले यूनिवर्सिटी के चैयरमैन निर्मल पंचार प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगे तथा समापन समारोह व परितोषित वितरण में मुख्य अतिथि राजस्थान हाई कोर्ट के जस्टिस आनंद शर्मा व विशिष्ट अतिथि क्रिकेट खिलाड़ी तथा भारत पेट्रोलियम के चीफ जनरल मैनेजर दीपक जैन होंगे।

टीम इंडिया जून में आयरलैंड दौरे पर जाएगी दो मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी, 8 साल में चौथा दौरा होगा

नई दिल्ली। भारत की फूल स्ट्रेंथ टीम जून 2026 में आयरलैंड दौरे पर जाएगी, जहां दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टी-20 इंटरनेशनल सीरीज खेली जाएगी। ने इस दौरे का शेड्यूल शनिवार को घोषित कर दिया गया है।

यह सीरीज वर्ल्ड कप जीत के बाद भारत की पहली टी-20 सीरीज होगी। भारत ने 8 मार्च को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था। 8 साल में चौथा दौरा भारत ने पिछले आठ सालों में (2018, 2022 और 2023) तीन बार आयरलैंड का दौरा किया है। आयरलैंड के लिए यह दौरा व्यस्त 2026 कार्यक्रम का हिस्सा है।

उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र पहला वनडे 14 जून को धर्मशाला में, टेस्ट मुकाबला और अफगानिस्तान के खिलाफ पांच वनडे मुकाबले भी खेलेने हैं।

भारत को नहीं हरा सकी आयरलैंड भारत और आयरलैंड के बीच अब तक 3 टी-20 सीरीज खेले गए हैं। साल 2018 और 2022 में खेले गए दोनों ही दौरे पर भारत ने 2-0 से क्लीन स्वीप किया था। वहीं 2023 की तीन मैचों की सीरीज में भी भारतीय टीम ने 2-0 से जीत दर्ज की, जबकि एक मुकाबला नहीं हो सका।

ये तीनों सीरीज आयरलैंड में ही खेली गईं। अफगानिस्तान के खिलाफ भी खेलेंगी टीम के बाद भारतीय टीम जून में अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज खेलेंगी। इसकी शुरुआत 6 जून से एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे।

इंग्लैंड का भी दौरा करेगा भारत भारत इस साल इंग्लैंड का दौरा करेगा। दोनों टीमों के बीच आठ वाइट बॉल मैच खेले जाएंगे। भारत जुलाई में पांच टी-20 और तीन वनडे मैच खेलने के लिए इंग्लैंड दौरा करेगा। 28 मार्च से शुरू हो रहा भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास रहने वाला है।

टी-20 फॉर्मेट में खेली जानी वाली इस लीग से टीम इंडिया की वनडे वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम तय होगी। न्यूज एजेंसी ने सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की सिलेक्शन कमेटी ने 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनके प्रदर्शन पर इस के दौरान खास नजर रखी जाएगी। अजित आगरकर की अगुआई वाली समिति का फोकस इन खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर रहेगा।

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच गैरी कस्टन ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने खुलासा किया कि टीम के भीतर लगातार दखलअंदाजी और खराब माहौल के कारण काम करना बेहद मुश्किल हो गया था।

कस्टन ने छह महीने में ही पाकिस्तान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। कस्टन ने कहा, मैं बाहरी हस्तक्षेप बहुत ज्यादा था, जिससे टीम के फैसलों और प्रदर्शन पर निगेटिव असर पड़ता था। उन्होंने कहा, ऐसे टॉक्सिक माहौल में किसी भी कोच के लिए सफल होना लगभग असंभव है।

गैरी कस्टन ने टॉक्सिक क्रिकेट से बताया, मेरे लिए सबसे हैरान करने वाली चीज लगातार होने वाला बाहरी हस्तक्षेप था। इस वजह से कोच के तौर पर टीम के साथ सही तरीके से काम करना बेहद मुश्किल हो जाता है। कस्टन ने आगे कहा, टीम के खराब

पाकिस्तान क्रिकेट में टॉक्सिक माहौल पूर्व कोच गैरी कस्टन का खुलासा, छह महीने में ही पद छोड़ दिया था

प्रदर्शन के बाद माहौल और भी तनावपूर्ण हो जाता था। पाकिस्तान क्रिकेट में खराब प्रदर्शन का ठीकरा सबसे पहले कोच के सिर फोड़ा जाता है।

पाकिस्तानी कोच का पद बीच में छोड़ा कस्टन अप्रैल 2024 में पाकिस्तान टीम के व्हाइट बॉल कोच बने थे, लेकिन बोर्ड और खिलाड़ियों के साथ मतभेद के कारण उन्होंने 6 महीने में ही पद छोड़ दिया था। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच पर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने खुलासा किया कि टीम के भीतर लगातार दखलअंदाजी और खराब माहौल के कारण काम करना बेहद मुश्किल हो गया था। कस्टन ने छह महीने में ही पाकिस्तान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। कस्टन ने कहा, मैं बाहरी हस्तक्षेप बहुत ज्यादा था, जिससे टीम के फैसलों और प्रदर्शन पर

निगेटिव असर पड़ता था। उन्होंने कहा, ऐसे टॉक्सिक माहौल में किसी भी कोच के लिए सफल होना लगभग असंभव है।

गैरी कस्टन ने टॉक्सिक क्रिकेट से बताया, मेरे लिए सबसे हैरान करने वाली चीज लगातार होने वाला बाहरी हस्तक्षेप था। इस वजह से कोच के तौर पर टीम के साथ सही तरीके से काम करना बेहद मुश्किल हो जाता है।

कस्टन ने आगे कहा, टीम के खराब प्रदर्शन के बाद माहौल और भी तनावपूर्ण हो जाता था। पाकिस्तान क्रिकेट में खराब प्रदर्शन का ठीकरा सबसे पहले कोच के सिर फोड़ा जाता है। पाकिस्तानी कोच का पद बीच में छोड़ा कस्टन अप्रैल 2024 में पाकिस्तान टीम के व्हाइट बॉल कोच बने थे, लेकिन बोर्ड और खिलाड़ियों के साथ मतभेद के कारण उन्होंने 6 महीने में ही पद छोड़ दिया था।

डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता अभय की शानदार पारी और अनुज व उमेश की गेंदबाजी से एस जे स्कूल अकेडमी क्वार्टर फाइनल में

जयपुर, 21 मार्च। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित चौथी डा एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति लीग कम नॉक आउट प्रतियोगिता के अंतर्गत आज खेले गये मैच में अभय शर्मा 85 रन की शानदार अर्द्ध शतकीय पारी तथा अनुज 25/3 विकेट, उमेश मीना 27/3 की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बिमल क्रिकेट अकेडमी को 47 रन से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एस. जे. स्कूल अकेडमी ने अभय शर्मा 85 रन, हर्ष सैनी 56 रन, रिहान अली 27 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 205 रन बनाये बिमल अकेडमी की तरफ से कुलदीप सिंह 24/2 विकेट तथा वरुण व केशव प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे जवाबी पारी में बिमल क्रिकेट अकेडमी ने अंकित मनका 69रन, केशव 23 रन, रक्षित श्रीमाला 19 रन की परियों



के बावजूद इस जे स्कूल के गेंदबाजों अनुज 25/3, उमेश मीना 27/3 शुभम खंडेलवाल व दिनेश मीना 1-1 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष

18.5 ओवर में 158 रन बनाकर पूरी टीम सिमट गयी।

इस मैच का मेंन ऑफ द मैच अभय शर्मा एस जे स्कूल अकेडमी रहे संक्षिप्त

स्कोर: एस जे क्रिकेट अकेडमी 205 रन 8 विकेट खोकर 20 ओवर में, बिमल क्रिकेट अकेडमी 158 रन आल आउट 18.5 ओवर में रहे।

मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े बने नए चैंपियन, जीता पहला खिताब

नई दिल्ली। पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े ने शनिवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना पहला एथल खिताब जीता। पुरुषों के फाइनल में शीर्ष स्थान प्राप्त मानव ने अपेक्षानुरूप प्रदर्शन करते हुए रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के जीत चंद्र पर 4-1 (11-211-46-11-11-9-11-3) की शानदार जीत हासिल की। इसके विपरीत महिला एकल के फाइनल में काफी कड़ा मुकाबला देखने को मिला तथा आखिर तक रोमांच बन रहा। आखिर में यशस्विनी ने अपना नैकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया। उन्होंने फाइनल में पीएसपीबी की युवा खिलाड़ी सिद्धेला दास पर 4-3 (11-6-12-14-11-5-9-11-13-11-6-11-11-8) से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया। मिश्रित युगल फाइनल में अंकुर भट्टाचार्य (पश्चिम बंगाल) और सुधाना सैनी (हरियाणा) ने अनिकेत बोस और समीति राय की पश्चिम बंगाल की जोड़ी को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9-11-7-9-11-13-15-12-10) से हराया।

जालोर में एक जिला एक खेल बाक्सिंग के तहत जिला स्तरीय प्रतियोगिता सम्पन्न

जालोर, 21 मार्च (कांस)। राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी योजना एक जिला एक खेल बाक्सिंग के अंतर्गत जिला स्तरीय एकदिवसीय बाक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन स्वर्णगिरी स्पोर्ट्स फाउंडेशन (क्रोडा भारती केंद्र-2), पंच गौरव क्रोडा पर सफलतापूर्वक किया गया। जिला खेल अधिकारी अमित कुमार शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता एवं जालोर विधानसभा संयोजक गणपत सिंह बगोडिया रहे। कार्यक्रम का अध्यक्षता पर्यवरण ब्रांड एंबेसडर शंकर सिंह राजपुरोहित ने की। विशेष अतिथियों के रूप में जिला कोषाधिकारी भूपेंद्र कुमार मकवाना, मुख्य अतिथि गणपत सिंह बगोडिया ने अपने उद्घोषण में राजस्थान सरकार की पंच गौरव योजना की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों के बालक-बालिकाओं को खेलों में आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। अध्यक्षता कर रहे शंकर सिंह राजपुरोहित ने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने तथा हार से सीख लेकर आगे बढ़ने

की प्रेरणा दी। बाक्सिंग प्रशिक्षक पुष्पेंद्र परमार ने बताया कि प्रतियोगिता 40 किग्रा उत्कर्ष मिश्रा (प्रथम), आदित्य सुदेशा (द्वितीय), ललित (तृतीय), 42 किग्रा में प्रोतम (प्रथम), कुपाल सिंह (द्वितीय), महिपाल (तृतीय), 44 किग्रा अतुल गर्ग (प्रथम), पीयूष मेवाडा (द्वितीय), कुश गर्ग (तृतीय), 46 किग्रा में अभिजीत सिंह (प्रथम), लव गर्ग (द्वितीय), गणेश (तृतीय), 50 किग्रा सचिन (प्रथम), कुष्ण कुमार राणा (द्वितीय), 54 किग्रा में यश टॉक (प्रथम), यशपाल (द्वितीय), 57 किग्रा कोहिनूर (प्रथम), युवराज सिंह (द्वितीय), 60 किग्रा में चंद्र मोहन (प्रथम), हितेश (द्वितीय), 63 किग्रा लक्ष्मण (प्रथम), सूरज (द्वितीय), 66 किग्रा भानाराम (प्रथम), गौरव (द्वितीय), 70 किग्रा में प्रिंस (प्रथम), रुद्र प्रताप सिंह (द्वितीय), 75 किग्रा हिमांशु (प्रथम), श्रुत सिंह (द्वितीय), 80 किग्रा में विकास घाट (प्रथम), साहिल (द्वितीय), 80 किग्रा में मानवेन्द्र सिंह राजपुरोहित (प्रथम), रावव (द्वितीय) पर रहा।

भजनलाल केरल में: चार प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल हुए

केरल, 21 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को केरल में भाजपा के विधानसभा प्रत्याशियों, भाजपा अध्यक्ष एवं नेमोम विधानसभा प्रत्याशी राजीव चन्द्रशेखर, कझाक्कुट्टम विधानसभा प्रत्याशी वी. मुरलीधरन, कट्टाकड़ा विधानसभा प्रत्याशी पी.के. कृष्णदास और वट्टियोरकावु विधानसभा

■ तिरुवनंतपुरम में मुख्यमंत्री ने पहले पचनाभ स्वामी मंदिर में भगवान विष्णु के दर्शन किए।

प्रत्याशी आर. श्रीलेखा के नामांकन में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केरल की जनता विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को अपना समर्थन देकर 'विकसित भारत-विकसित केरल' के संकल्प को साकार करेगी। उन्होंने कहा कि ये सभी प्रत्याशी जनभावना के अनुरूप



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को केरल में भाजपा के चार विधानसभा प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल हुए।

केरल में सुशासन और विकास को मजबूत नींव स्थापित करेंगे। इस बार केरल की जनता ने बदलाव का मन बना लिया है। मुख्यमंत्री ने तिरुवनंतपुरम के भाजपा

प्रदेश कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पी. परमेश्वरन की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले, उन्होंने

पचनाभस्वामी मंदिर में भगवान विष्णु के दर्शन किए। मुख्यमंत्री का तिरुवनंतपुरम पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) उन्होंने अधिकारियों को संपत्ति का तत्काल कब्जा लेने का निर्देश दिया।

अदालत ने कहा कि यह भूखण्ड, जिसे 1979 में कई मीडिया संगठनों के लिए एक संयुक्त कार्यालय परिसर के निर्माण हेतु आवंटित किया गया था, चार दशकों से अधिक समय तक अविकसित पड़ा रहा।

आवंटन संरचना में कई बार संशोधन और प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) जैसे सह-आवंटियों को शामिल किए जाने के बावजूद, कोई सार्थक निर्माण नहीं हुआ।

यूनआई ने तर्क दिया कि देरी का कारण बदलती सरकारी नीतियां, जिम्मेदारियों को लेकर अस्पष्टता और कई पक्षों की भागीदारी थी। उसने यह भी कहा कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग जैसी एजेंसियों को निर्माण योजनाएं शुरू करनी थीं।

लेकिन अदालत ने इन दावों और दलीलों को खारिज कर दिया और कहा कि यूनआई '45 वर्षों से अधिक समय तक मूल्यवान सार्वजनिक भूमि पर प्रभावी रूप से कब्जा जमाए हुए है, जबकि वह अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में असमर्थ रही है।'

वोटर लिस्ट विवादों की सुनवाई के लिए प.बंगाल में 19 अपेलैट गठित

बंगाल चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने महत्वपूर्ण कदम उठाया

कोलकाता, 21 मार्च। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से भारतीय निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में 19 अपीलीय अधिकरणों के गठन की अधिसूचना जारी की है।

ये अधिकरण विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान, मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने से जुड़े विवादों पर सुनवाई करेंगे।

निर्वाचन आयोग की शुक्रवार रात जारी अधिसूचना के अनुसार, यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के 10 मार्च 2026 के आदेश तथा कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश के आधार पर लिया गया है।

गठित 19 अधिकरणों में से 18 की अध्यक्षता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे, जबकि एक अधिकरण की अध्यक्षता कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश करेंगे।

■ आयोग ने कहा कि यह फैसला सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के 10 मार्च 2026 के आदेश के तहत किया गया है।

तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश टी. एस. शिवाणगनम को कोलकाता क्षेत्र से जुड़े मामलों की जिम्मेदारी दी गई है। उनके अधिकरण के अधिकार क्षेत्र में कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर और उत्तर 24 परगना के चुनावी जिले शामिल होंगे।

अधिसूचना में कहा गया है कि पूरक मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद संबंधित पक्ष नाम जोड़ने या हटाने से जुड़े न्यायिक अधिकारियों के फैसलों के खिलाफ अपील कर सकेंगे।

अपील दो तरीकों से दायर की जा सकेगी। ऑनलाइन आयोग के डिजिटल मंच के माध्यम से या जिलाधिकारी, उप

मंडलाधिकारी अथवा अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन देकर, जिसे बाद में डिजिटल प्रणाली पर अपलोड किया जाएगा। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि ये अधिकरण तत्काल प्रभाव से काम शुरू करेंगे और संबंधित जिलों की सभी अपीलों का निपटारा होने के बाद स्वतः समाप्त हो जाएंगे।

राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने अपने संदेश में कहा, ईद मुबारक! यह पावन पर्व आशा, सद्भाव और करुणा को प्रोत्साहित करे तथा सभी के जीवन में खुशियां और सफलता लेकर आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर अपने संदेश में देशवासियों को ईद-उल-फ़ितर की बधाई देते हुए कहा कि यह दिन समाज में भाईचारा और दया की भावना को और मजबूत करे। उन्होंने सभी के सुख, शांति और उच्चतम स्वास्थ्य की कामना की।

ईरान ने 4000 किलो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) मिसाइलों में से एक को बीच में ही रोक लिया गया, जबकि दूसरी लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही खराब हो गई।

इसी तरह, ईरान ने इजरायल के एक एफ-16 विमान को भी निशाना बनाया, जिससे अमेरिका-इजरायल के इस दावे पर सवाल उठ गया कि ईरान के आसमान पर उनका पूरी तरह से नियंत्रण है।

एक तरह से तेजी से हो रहे ये घटनाक्रम ईरान युद्ध को लेकर नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर रहे हैं। डॉनल्ड ट्रंप पहले से ही ईरान के खिलाफ अपना युद्ध खत्म करने की बात कर रहे हैं और पूरी जीत का दावा कर रहे हैं। यह दावा साफ तौर पर खोखला है, लेकिन वे गंभीरता से इस स्थिति से निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। अमेरिका ईरान के प्रति कई सुलह भरे संकेत भी दे रहा है।

कठिन परिस्थितियों में अमेरिका ने समुद्र में मौजूद ईरान के तेल पर लगे सभी प्रतिबंध हटाने की घोषणा कर दी

है। रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 14 करोड़ बैरल (करीब 14 अरब डॉलर मूल्य) ईरानी तेल को वैश्विक बाजार में बेचने की अनुमति दे दी गई है, ताकि तेल और गैस की उपलब्धता बढ़ सके। जैसे-जैसे अमेरिका के पेट्रोल पंपों पर कीमतें बढ़ रही हैं, ट्रंप ईरान के तेल पर अपना रुख बदलने को मजबूर हो रहे हैं। यह कदम दरअसल उसी प्रक्रिया को औपचारिक रूप देता है, जो समुद्र में पहले से घटित हो रही थी। ईरान पहले ही अपने फंसे हुए तेल को बेच रहा था, लेकिन अब अमेरिका द्वारा प्रतिबंध हटाने से इसकी बिक्री और आसान हो जाएगी। बाजार में अतिरिक्त तेल आने से उम्मीद है कि कीमतें भी स्थिर होंगी।

यह अमेरिका की एक मजबूरी भरी कोशिश है, क्योंकि तेल की बढ़ती कीमतें दुनिया भर के देशों को नुकसान पहुंचा रही हैं। लेकिन ईरान के तेल पर प्रतिबंध में ढील देने से चीन को फायदा हो सकता है, जो अपने बड़े भंडार को और मजबूत करने के लिए इस

अतिरिक्त तेल को खरीद सकता है। बताया जाता है कि चीन के पास अपने रणनीतिक भंडार में पहले से ही 1 अरब बैरल से अधिक तेल मौजूद है।

दूसरी ओर, डॉनल्ड ट्रंप ने पिछले दो दिनों में बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि अमेरिका को अपने तेल हिलों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस रास्ते को खोलना आसान है और इसके लिए सिर्फ कुछ जहाजों और कई देशों के सहयोग की जरूरत होगी, ताकि वहाँ से सुरक्षित गुजरना सुनिश्चित किया जा सके।

इस बीच, पश्चिम एशिया के पड़ोसी देश अब ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए अमेरिका को अपने सैन्य ठिकानों का अधिक उपयोग करने की छूट देने पर राजी होते दिख रहे हैं। सऊदी अरब, यूएई जैसे देश अब सक्रिय हो रहे हैं, क्योंकि ईरान द्वारा उनके देशों और उनके तेल-गैस ठिकानों पर हमलों की संख्या बढ़ रही है।

नीतीश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमार के साथ मीटिंग की। पटना में ईद मिलन कार्यक्रम के बाद, उन्होंने केन्द्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता लल्लन सिंह से उनके आवास पर मुलाकात की। खबरों के मुताबिक, इन बैठकों में बिहार की वर्तमान राजनीतिक स्थिति और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा हुई।

8 मार्च को जयपुर में शामिल होने के बाद से निशांत कुमार को लल्लन सिंह और संजय झा सहित, कई वरिष्ठ नेताओं का मजबूत समर्थन मिला है।

राज्यों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर प्रवासी मजदूरों को उपलब्ध कराए जाएं। इस बारे में सचिव ने राज्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि इस अतिरिक्त आवंटन की कालाबाजारी या डायवर्जन (गलत इस्तेमाल) न हो, इसके लिए टांस कदम उठाए जाएं।

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इनमें शामिल हैं: अनिल चोपड़ा, जो जयपुर ग्रामीण से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं।

दूसरे हैं मुकुल खींचड़, जो वर्तमान में सीकर के युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष हैं और जिन्हें मुकेश भाकर का समर्थन प्राप्त है।

तीसरे हैं कार्तिक चौधरी, जिन्होंने राजसमंद से लोकसभा और डेगाना से विधानसभा टिकट की मांग की थी।

अभिषेक चौधरी एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और झोटावाड़ा से लोकसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। उन्हें अशोक चांदना और गोविंद डोटसरा का समर्थन प्राप्त है।

वहीं, वर्तमान युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अधिमन्यु पूनिया, अनिल चोपड़ा का समर्थन कर रहे हैं।

सीकर के नेता सीताराम लाम्बा, राजकुमार परसवाल का समर्थन कर रहे हैं, जो स्वयं भी सीकर से हैं। सीकर, डोटसरा का मजबूत गढ़

माना जाता है। ऐसे में यदि राजकुमार परसवाल जीतते हैं, तो यह डोटसरा की ताकत को कमजोर कर सकता है। साथ ही, मुकुल खींचड़ और राजकुमार परसवाल भविष्य में सीकर में डोटसरा को चुनौती दे सकते हैं।

संभावित उम्मीदवारों में से कोई भी सीधे तौर पर अशोक गहलोत खेमे से नहीं है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, गहलोत, सीताराम लाम्बा के माध्यम से राजकुमार परसवाल का समर्थन कर रहे हैं। राजस्थान युवा कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव एक दिलचस्प राजनीतिक कवायद बनने जा रहा है, जहां वरिष्ठ नेता इसे आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एक 'प्रॉक्सी लड़ाई' के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं और यह इस बात पर निर्भर करेगा कि यूथ कांग्रेस और उसके संगठन पर किसका नियंत्रण होता है।

युवा कांग्रेस की केन्द्रीय इकाई, प्रदर्शन रिपोर्ट के आधार पर उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी, और जिनका नाम उसमें होगा, वही चुनाव लड़ सकेंगे।

यह प्रणाली भले ही अजीब लगे, लेकिन इसी तरह राहुल गांधी ने युवा कांग्रेस के चुनावों को संरचित किया है, जिसकी पहले ही काफी आलोचना हो चुकी है।

मोदी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग खुले और सुरक्षित रहें। इसके अतिरिक्त मोदी ने ईरान द्वारा देश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने में दिए जा रहे निरंतर सहयोग की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह टेलीफोन पर दूसरी बातचीत है, जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के मुद्दों पर चर्चा की गई। इससे पहले उन्होंने 12 मार्च को टेलीफोन पर बातचीत की थी।

'होर्मुज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जापान जैसे सहयोगी देशों के जहाजों के लिए ईरान सुरक्षा सुनिश्चित करने को तैयार है।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि तेहरान अस्थायी युद्धिवराम के बजाय पूर्ण, व्यापक और स्थायी युद्ध समाप्ति चाहता है। कहा कि ईरान की जवाबी कार्रवाई आत्मरक्षा के तहत जारी रहेगी।

साउथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही रणनीतिक हो गई है। साउथ पार्स भारत से दूर हो सकता है, लेकिन वहाँ की कोई भी अशांति भारतीय अर्थव्यवस्था को सीधे प्रभावित कर सकती है।

WHY CHOOSE DIESEL? RUN ON THE SMARTER FUEL

VICTORIS S-CNG

WITH SEGMENT-FIRST UNDERBODY CNG TANK

PARAMETER	VICTORIS S-CNG	COMPETITION MID SUV DIESEL	BENEFIT OF VICTORIS S-CNG OVER DIESEL CARS
Running Cost/km	₹4	~ ₹6.1	✓ More savings per km
Lower Maintenance Cost	✓	✗	✓ Easy on pocket
Reduced Emission	✓	✗	✓ Good for environment
Recovery Period*	~3.8 Yrs	~11.1 Yrs	✓ Faster recovery

BEST-IN-SEGMENT MILEAGE
27.02* km/kg

LOYALTY REWARD OF UP TO ₹30,000 ON EXCHANGE OF MARUTI SUZUKI CARS**

SCAN AND CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM

CONTACT US AT **1800-102-1800**

Applicable T&C available at your nearest dealership. Creative visualization. Car colour may vary due to printing on paper. Images used are for illustration purposes only. Features may vary by model/conditions. For details on functioning of safety features including airbags, kindly refer to the Owner's Manual. *Considered average daily drive of 35 km. Fuel Cost calculation done basis fuel prices in Delhi as of 11th Feb 2026 and considered 70% delivery of ARAI tested Mileage. **The loyalty reward scheme is subject to terms and conditions. For more details visit authorised dealership. The offer is valid only on Victoris. *As certified by Test Agency under Rule 115 (G) of Central Motor Vehicles Rules 1989.